समाज विकास

मूल्य : १० रुपये, वार्षिक : १०० रुपये

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

1935-2010

▸ अक्टूबर २०१० ▸ वर्ष ६० ▸ अंक १०

कौस्तुभ जयंती समारोह

"मारवाड़ी समाज देश की गरीबी दूर करने में योगदान दें"

राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील का आह्वान

कौस्तुभ जयंती समारोह को सम्बोधित करती हुई महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, मंचस्थ हैं प० बंगाल के राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन, श्री देवी सिंह शेखावत, प.बंगाल के मंत्री श्री नरेन दे, सांसद श्री सुदीप बंदोपाध्याय, पोस्ट मास्टर जेनरल श्री शरित कुमार चक्रवर्ती, सम्मेलन सभापति श्री नन्दलाल रुँगटा, कौस्तुभ जयंती समिति के चैयरमेन एवं पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार।

"भारत की औद्योगिक प्रगति में मारवाड़ी समाज का योगदान स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा" –राज्यपाल नारायणन

"कोलकाता मारवाड़ियों का दूसरा अपना घर"–सुदीप बंदोपाध्याय

"मारवाड़ी जहां बसे वहीं समरस हो गये"–नन्दलाल रुँगटा

"राष्ट्रपति जी हमें आप पर नाज है, क्योंकि आप मारवाड़ी समाज की बहू हैं"–सीताराम शर्मा

WONDER GROUP

wonder images

one city. one machine. one colour.

Wonder Images
PVT. LTD.

Wonder Images is a ISO 9001 : 2008 certified company with focus on printing for indoor and outdoor advertising across flex, P/E and PVC mediums with printing capacity of 100,000 sq.ft per day.

We have Five state of the art printing machines.(HP UV 2300, HP XLJET 1500, VUTEK 3360, HP LATEX L 65500 & HP Designjet 5500 PS)

Indoor & Outdoor SOLUTIONS

- Front-lit-flex
- Back-lit-flex
- Woven P/E
- Self Adhesive vinyl
- Building wrap
- One way vision
- Vehicle / fleet graphics
- Floor and wall graphics
- Reflective Signage
- Frosted vinyl
- Canvas
- Translite
- Photo realistic poster paper
- Mesh, Tyek, Yupo

only 1 in eastern India to expertise in printing on woven P/E

Hundreds of colours & media for Indoors

5 State-of-the-art printing machine

Eastern India's Largest Outdoor Printers.

Contact Us:

Amit: 09830425990
Email: amit@wondergroup.in

Works:
Tangra Industrial Estate- II
(Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road. Kolkata – 700 015
Tel: 033 2329 8891-92

समाज विकास

✦अक्टूबर २०१० ✦वर्ष ६० ✦अंक १० ✦एक प्रति–१० रु. ✦वार्षिक–१०० रु.

अनुक्रमणिका

क्रमांक	पृष्ठ संख्या
अपनी बात – शम्भु चौधरी	४
अध्यक्षीय – नन्दलाल रुँगटा	५
समाज में सहनशीलता का बढ़ता अभाव – सीताराम शर्मा	६
भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील का अभिभाषण	७–९
कौस्तुभ जयंती समारोह की सम्पूर्ण रपट :	
भारतीय डाक विभाग ने जारी किया विशेष पोस्टल कवर	१०
मारवाड़ी जहाँ भी गये, वहीं समस हो गये – नन्दलाल रुँगटा	१०
राष्ट्रपति जी हमें आप पर विशेष नाज है, क्योंकि आप..... – सीताराम शर्मा	११
दो करोड़ रु. का उच्च शिक्षा कोष बनायेगा सम्मेलन	१२
बंगाल में जो मारवाड़ी रहते हैं वे कोलकाता को ..... – सुदीप बंदोपाध्याय	१३
मारवाड़ी एक बहुत सशक्त सामर्थ्यवान, शक्तिमान, बुद्धिमान समाज है – राष्ट्रपति	१६
महामहिम ने जो पथ हमें दिखाया है वो समाज के लिए ..... – रामअवतार पोद्दार	२४
कला मंदिर में जैसे उमड़ा पूरा मारवाड़ी समाज	२७
कोलकाता मारवाड़ियों का प्राकृतिक गृह है – राज्यपाल एम. के. नारायणन	२९
विहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन	
नव सौन्दर्यीकृत एवं आधुनिक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन	३०
पटना में अग्रसेन महाराज की मूर्ति स्थापित हो – कमल नोपानी	३१
सम्मेलन के नये आजीवन सदस्यों की सूची	३२
सम्मेलन के नये विशिष्ट सदस्यों की सूची	३४
कविता : जैसा खोजा वैसा पाया – परशुराम तोदी 'पारस'	३४
व्यंग्य दोहे – परशुराम तोदी 'पारस'	३४
युगपथ चरण :	
श्री रामकृष्ण जनकल्याण समिति के सेवा कार्य	३५
हिन्दी विद्यापीठ में धरती पुत्र को श्रद्धांजलि	३५
अखिल भारतीय समिति के सदस्यों की सूचना	३६
डॉ. तारालक्ष्मण गहलोत को मिला लाखोटिया पुरस्कार	३७

स्वत्वाधिकारी :

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ✦ १५२बी, महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता–७००००७

फोन : ०३३–२२६८ ०३१९ ✦ E-mail: samajvikas@gmail.com

के लिए श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा

ऐभल प्रिंटर्स प्रा.लि., ४५बी, राजाराम मोहन राय सरणी, कोलकाता–७००००९ में मुद्रित

✦संपादक : नंदकिशोर जालान ✦ कार्यकारी संपादक : शंभु चौधरी

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

अपनी बात

दीपावली की शुभकामनाएँ

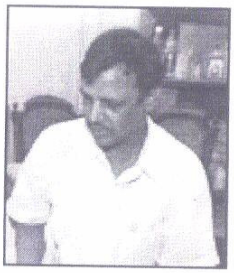

- शंभु चौधरी

नक्सलवाद पर लिखी मेरी एक कविता से आज आपको दीपावली की शुभकामनाएँ देना चाहता हूँ।

एक परिंदा घर पर आया, फर्राया-चहकाया..
मैं आजाद.., मैं आजाद.., मैं आजाद..,
मैं सोचा यह क्या कहता है? हँसता है या रोता है।
मुझको गाली देता है या अपना दु:ख यह कहता है।

सर्वप्रथम हमें आतंकवाद को व्याखित करना होगा, खुद की जमीं पर रहकर अपने हक की लड़ाई लड़ना आतंकवाद नहीं हो सकता चाहे वह कश्मीर की समस्या ही क्यों न हो, लेकिन को कुछ ईस्लामिक धार्मिक संगठनों ने धर्म को आधार मानते हुए सारी दुनिया में आतंकवाद फैला दिया, पाक प्रायोजित तालिबानियों द्वारा धर्म को जिहाद बताया उनलोगों ने न सिर्फ़ कश्मीर समस्या को उलझाया। भारत, पाकिस्तान और बंग्लादेश सहित विश्व के अनेक देशों के भीतर आतंकवाद को देखने का एक अलग नजरिया प्रदान कर दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि आज विश्व में हर तरफ यह प्रश्न उठता है कि आखिर एशिया महाद्वीप में ही आतंकवाद क्यों पैदा हो रहा, सारे विश्व के अपराधियों का सुरक्षा केन्द्र बनता जा रहा है यह महाद्वीप।

संभवत: भारत विश्व में एक मात्र देश होगा जो लगातार आज़ादी के बाद से इस समस्या से झूझता आ रहा है। 9/11 की घटना यदि अमेरीका की जगह भारत में हुई होती तो शायद अमेरिका, तालिबानियों का सफाया कभी नहीं करती। कारण स्पष्ट है अमेरिका को किसी बात का दर्द तभी होता है जबतक वह खुद इस दर्द को न सह ले। इसी प्रकार भारत में नक्सलवाद का काफी तेजी से विकास हुआ खासकर आदिवासी इलाकों में जहाँ हम अभी तक विकास, शिक्षा, चिकित्सा जैसी मूलभूत जरूरतों को भी नहीं पहुँचा पाये। हमने उनके घर (वन, वनिस्पत, खनिज, पर्वत, जंगल आदि) को सरकारी समझा और उनको उस जगह से बेदखलकर उन्हें जानवर का जीवन जीने को मजबूर करते रहे। जब इन लोगों को कुछ लोगों ने बगावत का पाठ पढ़ाया तो ये देश के लिये गले की फांस बन गई। आपको सबसे पहले यह समझना होगा कि आखिर समस्या क्या है, सिर्फ हथियार उठा लेने से आतंकवाद हो जाता तो भारत स्वतंत्रता आन्दोलन के हजारों शहीद को भी हमें आतंकवाद कहना होगा। इसमें कोई शक नहीं नक्सलवाद को कुछ लोगों ने इसे सरकारी ताकतों को नुकशान पहुँचाने के नाम से बेकसूर जनता को भी काफी हानी पहुँचाई जिसका लाभ लेकर सरकारी ताकतों ने सेना को इस मैदान पर उतार दिया है। जो किसी भी दृष्टिकोण से न तो उन्हें सही ठहराया जा सकता है ना ही इसे।

हम अपनी दीपावली के दीये उन आदिवासी के साथ जलाना पसंद करेंगे जिन्हें सरकार नक्सलवादी समझती है। माना कि सरकार पर देश की सुरक्षा का भार है। परन्तु एक को सुरक्षा देने के नाप पर दूसरे का घर ही उजाड़ दिया जाय यह सुरक्षा नहीं हो सकती।

आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ।

अध्यक्षीय

'वसुधैव कुटुम्बकम्'

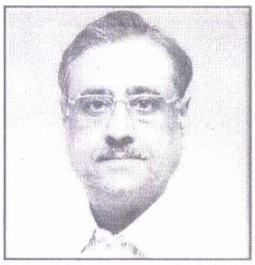

- नन्दलाल रूँगटा, राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

दीपावली के उत्सव को हमने फिजूलखर्ची का त्योहार बना दिया है, एक रात में हम करोड़ो रुपयों का पटाका, आतिशबाजी जला डालते हैं।

हर वर्ष दीपावली की रात कई लोगों को सरकार गिरफ्तार भी करती रही है, जिनमें अधिकांशतः मारवाड़ी समाज के लोग रहते हैं। समाज के लोगों से सम्मेलन नम्र निवेदन करना चाहती है कि हम दीपावली के अवसर पर माँ लक्ष्मी की आराधना करते हैं, होली और दीपावली के अवसर पर बड़ों का आशीर्वाद ग्रहण करते हैं, हम अपने सुख-समृद्धि की मनोकामना ईश्वर से करते हैं ऐसे समय परिवार के किसी भी सदस्य को यदि कोई क्षति हो या हमारे धन का वैभव प्रदर्शन हो जिससे हमारा समाज किसी अन्य समाज की मनःस्थिति को नासमझी में खुद का मनोरंजन करता हो, हमें इस भावना का त्याग करना होगा।

हमारा देश विभिन्नता में एकता के लिये जाना और पहचाना जाता है, विशाल हृदय वाली संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम्' भारतीय संस्कृति का मूल तत्व है।

हमारी इस संस्कृति, पूरव में जहाँ बिहु नृत्य से नई फसल का स्वागत किया जाता है तो दक्षिण में ओनम का त्योहार हम मनाते हैं, इसी प्रकार महाराष्ट्र में गणपति बप्पा मोरया, उड़ीसा में भगवान जगन्नाथ की यात्रा, बंगाल में दुर्गा पूजा, गुजरात में डांडिया, पंजाब में दशहरा, बिहार-यू.पी. की छठ पूजा एवं राजस्थान की दीपावली जिसे सारे देशभर में मनाई जाती है हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है।

परन्तु जिस प्रकार सारे त्योहार हम मनाते हैं इनमें और दीपावली के उत्सव को हमने फिजूलखर्ची का त्योहार बना दिया है, एक रात में हम करोड़ो रुपयों का पटाका, आतिशबाजी जला डालते हैं।

हर वर्ष दीपावली की रात कई लोगों को सरकार गिरफ्तार भी करती रही है, जिनमें अधिकांशतः मारवाड़ी समाज के लोग रहते हैं। समाज के लोगों से सम्मेलन नम्र निवेदन करना चाहती है कि हम दीपावली के अवसर पर माँ लक्ष्मी की आराधना करते हैं, होली और दीपावली के अवसर पर बड़ों का आशीर्वाद ग्रहण करते हैं, हम अपने सुख-समृद्धि की मनोकामना ईश्वर से करते हैं ऐसे समय परिवार के किसी भी सदस्य को यदि कोई क्षति हो या हमारे धन का वैभव प्रदर्शन हो जिससे हमारा समाज किसी अन्य समाज की मन:स्थिति को नासमझी में खुद का मनोरंजन करता हो, हमें इस भावना का त्याग करना होगा।

हमें यह स्वीकार करना चाहिये कि इस आतिशबाजी से समाज का कोई लाभ नहीं, ना ही यह किसी भी तरह से हमारे त्योहार का कोई हिस्सा जिसे ना करने से हमारे देवी-देवताओं की आराधना पूरी नहीं होती हो। हम समाज से यह अनुरोध करना चाहते हैं कि आईये इस बार की दीपावली हम अन्य सालों की तरह ही अधिक उत्साह के साथ मनायें, दीप जलायें, मिठाईयाँ बांटें, आवाज रहित पटाके भी कम मात्रा में (सिर्फ रोशनी वाले) छोड़े। हमारे समाज की रोशनी से सभी समाज का भला हो ऐसी मंगल कामना करें। इसी मनोकामना के साथ आप सभी को

हमारी तरफ से दीपावली की शुभकामनाएँ।

समाज में सहनशीलता का बढ़ता अभाव

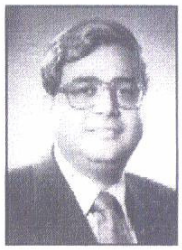

-सीताराम शर्मा

घर-घर में विवाद, बढ़ते तलाक, टूटते परिवार, ईर्ष्या, डिप्रेसन सभी भौतिक सुखों के बावजूद जीवन में आनन्द की कमी, सभी से शिकायत अपने आप से, लोगों से, परिस्थिति से, मैं-मेरा-मेरी या तू-तेरा-तेरी, धैर्य की कमी, जीवन से असंतोष, सब पर संदेह यह सब आज के समाज की कहानी है और इन सबके पीछे जो एकमात्र सबसे बड़ा सामाजिक कारण है वह है सहनशीलता का बढ़ता अभाव।

जीवन में दु:ख आते हैं, उन्हें सहना सहज नहीं है। हम अपने भाई एवं पड़ोसी के सुखों को भी सहन नहीं कर पाते। **अगर आपकी ईश्वर में आस्था है तो यदि आपके जीवन में दु:ख आ रहा है तो खुश हो जाओ।** कारण दु:ख भगवान का ही बेजा हुआ अग्रदूत है-यह बताते के लिए कि पीछे बहुत कीमती भेंट आ रही है। प्रह्लाद, देवकी, भरत, विभीषण आदि के जीवन बताते हैं कि भयानक दु:खों से गुजरने के बाद ही उन्हें भगवत् प्राप्ति संभव हो पाई थी।

मनुष्य सारी जिन्दगी लड़ता है अपनी परिस्थितियों को सुधारने के लिए। काश ! थोड़ा प्रयास वह अपनी प्रवृति एवं प्रवति सुधारने ने लिए करता। जो आदमी सब कुछ स्वीकार कर सके वहीं समझदार है। शिकायत का भाव तो रखना ही नहीं चाहिए। लोगों से शिकायत रखने वाला लोगों में अप्रिय हो जाता है एवं अपने आपसे शिकायत रखने का वाला आत्मघाती होता है। संतोष का पाठ सबसे बड़ा पाठ है।

जीवन में सम्मान, प्यार, धन एवं सफलता का मिलना कभी-कभी उस व्यक्ति की सबसे कीमती चीज विवेक को उससे हर लेता है। यह कठिन है लेकिन जीवन में असम्मान, अपमान, निर्धनता तथा असफलता को स्वीकार करके ही व्यक्ति अपनी विवेक-निधि को सुरक्षित रख सकता है।

जिन्दगी महज चार कदम की यात्रा है। हर व्यक्ति अतृप्त है। हर व्यक्ति असुरक्षा की भावना से ग्रस्त है। वह तृप्ति एवं सुरक्षा संसार में खोज रहा है-यही उसका अज्ञान है। तृप्ति अंदर है।

''कस्तूरी कुंडल बसे, मृग ढूंढ़े जग मांही''

संतोषी व्यक्ति को अपनी संपत्ति हर समय बढ़ती नजर आती है। जैसे-जैसे आदमी के मन का संयम कम होता है, वैसे-वैसे वह दूसरों में दोष देखने लगता है। जो अपने-आप को सुधारने के काम में लगा है वह सही पुरुषार्थी है। दुनिया की दया पर जीवन नहीं चलता है। जीवन चलता है अपनी बुद्धि से, अपने पुरुषार्थ से।

''देख पराई चोपड़ी मत ललचाये जो।
रूखी-सुखी खाये के ठंडा पानी पी।।''

क्या बिडम्बना है कि एक तरफ जहां धार्मिक अनुष्ठानों, प्रवचनों, सतसंगों में एक बाढ़ की सी वृद्धि हो रही है। मंदिरों में भक्तों की भीड़ में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। साधु-सन्तों के प्रवचन आये दिन हो रहे हैं। टी.वी. में **आस्था** एवं **संस्कार** जैसे चैनेल लोकप्रियता की नई ऊंचाईयां हासिल कर रहे हैं। रामायण, महाभारत, हनुमान जैसे सीरियल बारहों महीने चौबीस घण्टे चल रहे हैं यह इस बात का द्योतक है कि मनुष्य जीवन में शांति एवं सहारा खोज रहा है। लेकिन इसका प्रभाव दिख नहीं रहा है। मनुष्य और अधिक स्वार्थी, अहंकारी, असहनशील, असंतोषी बनता जा रहा है।

अपना प्रयत्न सर्वोपरि है। बुद्धिमान व्यक्ति के कार्य, दूसरों के कार्य पर निर्भर नहीं रहते। सात्विकी बुद्धि मिल गई तो बस सब कुछ मिल गया। संसारी संसार सागर में डुबकी लगाकर तो आह-आह ही करते रहेंगे। हर आदमी को अपनी यात्रा खुद करनी होती है। कोई साथ नहीं देगा। कुछ साथ नहीं जायेगा। जो आदमी अपने को उठाने की कोशिश करता है वह गिरता भी है यह प्रयास ही तो जीवन को सार्थक बनायेगा। स्वामी विवेकानन्द ने यही कहा था।

संतोष मन में हो तो बूंद में समुद्र समाया है और असंतोष हो तो समुद्र भी बूंद जैसा लगता है। संत कबीरदास ने कहा है :-

चाह गयी चिंता मिटी मनवा बेपरवाह।
जिसको कुछ न चाहिए यो है शाहंशाह।।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का कौस्तुभ जयंती समारोह

भारत की महामहिम राष्ट्रपति
श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील का
अभिभाषण

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन, डा. शेखावत साहब, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभापति श्री नन्दलाल जी रुँगटा, प. बंगाल के कृषि मंत्री श्री नरेन दे, सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, जो आपके साथ मुझे निमंत्रण देने आये थे, श्री सीताराम शर्मा, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल श्री शरित कुमार जी चक्रवर्ती, श्री रामअवतार जी पोद्दार, देवियों और सज्जनों। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के समय आयोजित इस कौस्तुभ जयंती समारोह में आपके साथ शामिल होने पर मुझे बहुत खुशी हो रही है। और आपके सबके मुख पर हंसी और आनन्द देखकर मेरी खुशी चौगुना हो गई है।

इस सम्मेलन की स्थापना 1935 में हुई थी और इसका लक्ष्य मारवाड़ी समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षिक उन्नति के लिए प्रयास करना था। यह देखकर संतोष का अनुभव होता है कि आज सम्मेलन बदलते समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए संयुक्त परिवार, बुजुर्गों का सम्मान जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी कार्य कर रहा है।

कोलकाता शहर के विकास में मारवाड़ी समाज की खास भूमिका रही है। उन्होंने लगभग 400 वर्ष पूर्व इस शहर को अपने उद्योग और व्यापार का केन्द्र बनाया था।

"स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस समाज के युवकों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की बढ़-चढ़कर मदद की। इस कार्य में श्री जमनालाल बजाज और श्री घनश्यामदास जी बिड़ला, इनके जैसे व्यक्तियों ने जो योगदान दिया वो भला कौन भूल सकता है। यही नहीं, इस समाज ने युद्ध, बाढ़, भूकंप, अकाल तथा अन्य आपदाओं के समय भी विपत्तिग्रस्त लोगों की सहायता में बहुत बड़ा योगदान दिया है, कार्य किया है।"

अपनी ऊर्जा, संघर्ष की क्षमता, अपनी निष्ठा तथा ईमानदारी के बल पर उन्होंने न केवल कोलकाता बल्कि पूरे देश में अपना कारोबार फैला दिया। यही नहीं, धीरे-धीरे उन्होंने पूरे देश के दूर-दराज के इलाकों में जाकर वहां अपना उद्योग-व्यापार शुरू कर दिया और वहां बस गये और इतनी अच्छी तरह से बस गये जैसे कि यहां बताया गया कि दूध में शक्कर मिलाई जाती है तो दूध मीठा हो जाता है शक्कर नहीं दिखती है उसका स्वाद बदल जाता है। इस प्रकार आज मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने तक फैला हुआ है और वहीं की मिट्टी में रचा-बसा नजर आता है। इन्होंने न केवल धन अर्जित किया वरन् राष्ट्र की सेवा के लिए कई सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन भी खड़े किये। और यह आपका संगठन बहुत बड़ा है, कई राज्यों में इसकी शाखाएं है और बड़ी निष्ठापूर्वक काम कर रहा है। मैं आपको बधाई देना चाहती हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस समाज के युवकों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की बढ़-चढ़कर मदद की। इस कार्य में श्री जमनालाल बजाज और श्री घनश्यामदास जी बिड़ला, इनके जैसे व्यक्तियों ने जो योगदान दिया वो भला कौन भूल सकता है। यही नहीं, इस समाज ने युद्ध, बाढ़, भूकंप, अकाल तथा अन्य आपदाओं के समय भी विपत्तिग्रस्त लोगों की सहायता में बहुत बड़ा योगदान दिया है, कार्य किया है।

कहा जाता है कि अच्छी पढ़ाई दीर्घकालिक निवेश है जो परिवार और देश दोनों की उन्नति के लिए बहुत जरूरी है। इस दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा नि:शुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू किया जाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मारवाड़ी समाज भी तकनीकी शिक्षा, कला, संस्कृति, शोध, चिकित्सा आदि अनेक क्षेत्र में जरूरतमंद उम्मीदवारों को आर्थिक सहायता देना, यह भी बहुत बड़ा काम रहा है। यह खुशी की बात है कि सम्मेलन द्वारा छात्रों की उच्च विशिष्ट शिक्षा के लिए उच्च शिक्षा कोष स्थापित किया जा रहा है। भारत में जनशक्ति का विपुल भंडार है, परन्तु उनके प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए प्रयास अपेक्षित हैं। मैं आपको इसमें सफल चाहती हूं और बधाई देती हूं कि यह अच्छा कार्य आपका बहुत ही कारगर रहेगा। मारवाड़ी समाज को उद्यमियों के प्रशिक्षण के लिए भी कार्य करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि सम्मेलन सदैव की भांति इसी तरह सामाजिक और धर्मार्थ कार्यों में हिस्सा लेता रहेगा।

आज यह समाज प्रमुख रूप से उद्योग और व्यापार तथा कारोबार में लगा हुआ है। देश के आर्थिक विकास में इस समाज को सदैव की भांति महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। वैश्वीकरण ने आज व्यापार के क्षेत्र में स्पर्धा को व्यापक बना दिया है, जिसके कारण अब हमारे उद्योगों और कारोबारों को दूसरे देशों की संस्थाओं से मुकाबला करना होगा। ऐसे परिवेश में,जहां नई-नई तकनीकों तथा कौशल का विकास जरूरी है, वहीं यह और भी जरूरी है कि कारोबार में नैतिकता का समावेश

किया जाये। इसी तरह वैश्वीकरण की चुनौती के समक्ष हमें अपने समाज का तानाबाना भी महफूज रखना है। आर्थिक प्रगति में आर्थिक असमानता सबसे बड़ी चुनौती है। यह जरूरी है कि आर्थिक विकास का लाभ सभी को मिले और **सर्वजन हिताय सुखाय** की भावना के अनुरूप समाज में समानता की स्थापना हो। यह एक बहुत सशक्त, सामर्थ्यवान, शक्तिमान, बुद्धिमान समाज है। यह अपने विशेष सामर्थ्य के जरिए, इसे इस्तेमाल करके हमारे देश की गरीबी दूर करने में सहायता करेंगे। राष्ट्र की प्रगति के लिए यह बहुत आवश्यक है। कुछ ऐसी योजनाएं बनायें जिससे सीधा-सीधा गरीबों को लाभ हो सके।

मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने भी समाज और राष्ट्र की सेवा में आगे बढ़कर-चढ़कर हिस्सा लिया है। हमारी यहां बहनें बैठी हुई हैं मैं इनको बधाई देना चाहती हूं। मुझे बताया गया है कि सम्मेलन द्वारा महिलाओं के विकास के लिए कई कार्यक्रम शुरू किये गये हैं। मैं समझती हूं कि नारी सशक्तीकरण देश के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत आवश्यक है और मैं हमेशा जैसे कहती हूं कि कोई भी रथ दो पहियों पर चलता है। तो कोई भी समाज, दो पहियों पर जो चलता है एक उसका पहिया पुरुष है, एक स्त्री है। अगर स्त्री को कमजोर रखा जाये, उसको शिक्षा न दी जाये, हर तरह से उसको अज्ञानी व कमजोर बनाकर रखा जाये तो हमारे समाज का रथ और देश का रथ आगे नहीं बढ़ पायेगा। इसलिए जरूरी है कि दोनों ही सशक्त हों, सामर्थ्यवान हों। ताकि कोई भी समाज की प्रगति या देश की प्रगति, उस देश की महिलाओं की क्या प्रगति हुई है यह देखकर आगे बढ़े। इसलिए बहुत जरूरी है कि ये महिलाएं आगे बढ़ें।

''सम्मेलन की उपलब्धियों पर नजर डालने से मालूम होता है कि समाज ने महिलाओं की शिक्षा के प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य, विधवा-विवाह आदि के साथ-साथ सामाजिक समरसता स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया है। यह बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही समाज ने दहेज प्रथा की बुराई को समाप्त करने का भी प्रयास किया है।''

महिलाएं सशक्त होंगी तो देश भी शक्तिशाली होगा। सम्मेलन की उपलब्धियों पर नजर डालने से मालूम होता है कि समाज ने महिलाओं की शिक्षा के प्रचार-प्रसार, स्वास्थ्य, विधवा-विवाह आदि के साथ-साथ सामाजिक समरसता स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया है। यह बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही समाज ने दहेज प्रथा की बुराई को समाप्त करने का भी प्रयास किया है।

भारत विभिन्नता में एकता रखने वाला देश है। यहां विभिन्न जाति, धर्म, सम्प्रदाय और भाषाओं के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। यही विशेषता भारत को दुनिया के अन्य देशों से अलग बनाती है। और इस सम्प्रदाय को, इस हमारे देश को इसी प्रकार रखना यह हमारी जिम्मेदारी है। मारवाड़ी समाज अनेकता में एकता का एक विशिष्ट उदाहरण है। मुझे विश्वास है कि समाज अपने ध्येय वाक्य, जो यहां बताया गया - **म्हारो लक्ष्य-राष्ट्र री प्रगति** के अनुसार समाज सुधार, समरसता, राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्रीय एकता के साथ अपने इन सब प्रयासों को निरंतर जारी रखेगा। आप सबको बधाई देने, आप सबका उत्साह बढ़ाने, आप सबके दर्शन करने और आपके काम की सराहना करने मैं यहां आई हूं।

आज आपके बीच पधार कर मुझे विशेष हर्ष हो रहा है। राजस्थान से जुड़े हुए संबंधों से विशेष हर्ष होना स्वाभाविक है।

कौस्तुभ जयंती के अवसर पर आप सभी को एक बार फिर मैं बधाई देना चाहती हूं। मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद,

जय हिन्द।

कौस्तुभ जयंती समारोह की सम्पूर्ण रपट

भारतीय डाक विभाग ने जारी किया विशेष पोस्टल कवर

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के कौस्तुभ जयंती समारोह के अवसर पर भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी किये गये विशेष पोस्टल कवर की प्रथम प्रति महामहिम राष्ट्रपति को भेंट करते प० बंगाल के राज्यपाल श्री एम. के. नारायणन । साथ में हैं सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा एवं श्री देवी सिंह शेखावत ।

मारवाड़ी जहाँ भी गये, वहीं समरस हो गये- नन्दलाल रुँगटा

राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

संचालनकर्ता श्री संजय हरलालका - कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं कौस्तुभ जयन्ती समिति के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा को स्वागत भाषण के लिए आमंत्रित करता हूं।

श्री सीताराम शर्मा-महामहिम राष्ट्रपति जी, माननीय राज्यपाल जी और हमारे लिए एक सुखद आश्चर्य श्री देवीसिंहजी शेखावत, जो हमारे बीच पधारे हैं। माननीय सांसद श्री सुदीप बन्द्योपाध्याय जी, माननीय मंत्री श्री नरेन दे जी, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल श्री चक्रवर्ती जी, अध्यक्ष महोदय, महामंत्री, अन्य पदाधिकारीगण, भाईयों और बहन। आज का दिन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। देश की राष्ट्रपति विशेषकर प्रथम महिला राष्ट्रपति के रूप में प्रत्येक भारतीय को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह जी पाटील पर नाज है, गर्व है। किन्तु हम मारवाड़ियों को विशेष गर्व है। क्योंकि आप हमारे राजस्थान की बहू हैं। यह संयोग की बात है कि सम्मेलन की हीरक जयन्ती पर पधारे तत्कालीन राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा राजस्थान के जमाई थे। जैसा कि आप जानते हैं कि उनकी आदरणीय पत्नी विमला जी जयपुर से हैं। मैं आप सभी की ओर से राष्ट्रपति जी का हार्दिक स्वागत करता हूं। कौस्तुभ जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रपति

कौस्तुभ जयंती समारोह के अवसर पर राष्ट्रगान के दौरान महामहिम राष्ट्रपति, प० बंगाल के राज्यपाल श्री एम. के. नारायणन, सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, कौस्तुभ जयंती समिति के चैयरमेन एवं पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री देवी सिंह शेखावत, प.बंगाल के मंत्री श्री नरेन दे, सांसद श्री सुदीप बंदोपाध्याय, पोस्ट मास्टर जेनरल श्री शरित कुमार चक्रवर्ती एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार।

'राष्ट्रपति जी हमें आप पर नाज हैं, क्योंकि आप मारवाड़ी समाज की बहू हैं'-सीताराम शर्मा

को पाकर हम अभिभूत हुए हैं, मैं इस मौके पर पधारे माननीय राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन का हार्दिक स्वागत करता हूं, जिन्होंने थोड़े समय में ही राज्य की जनता के बीच बेहद लोकप्रियता प्राप्त की है। प. बंगाल सरकार के मंत्री आदरणीय श्री नरेन दे जी हमारे बीच उपस्थित हैं, हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। स्थानीय एवं लोकप्रिय सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय जी, जिनका बहुत बड़ा सहयोग और समर्थन इस कार्य के लिए मिला, उनका मैं स्वागत करता हूं और स्वागत करता हूं चीफ पोस्ट मास्टर जनरल श्री शरित कुमार चक्रवर्ती का, जो आज भारतीय पोस्ट विभाग की ओर से एक स्पेशल कवर जारी करेंगे और स्वागत करता हूं आप सभी का। समाज सुधार और समरसता का पहला नारा 1947 में सम्मेलन के सभापति स्वर्गीय बृजलाल बियानी ने छठें अधिवेशन में बम्बई में दिया था। उन्होंने कहा था-''अब समय आ गया है सम्मेलन सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाये। मारवाड़ी भाई जहां रहते हैं, वहां की जनता से समरस हो जायें।'' मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना के उपरान्त सात दशकों में यह एक अभूतपूर्व परिवर्तन घटा है। खुली अर्थव्यवस्था एवं उदारीकरण एक ओर जहां नये अवसर प्रदान कर रहे हैं, वही बढ़ती तीव्र प्रतिस्पर्धा नयी चुनौतियां दे रहा है। बाजार व्यवस्था के

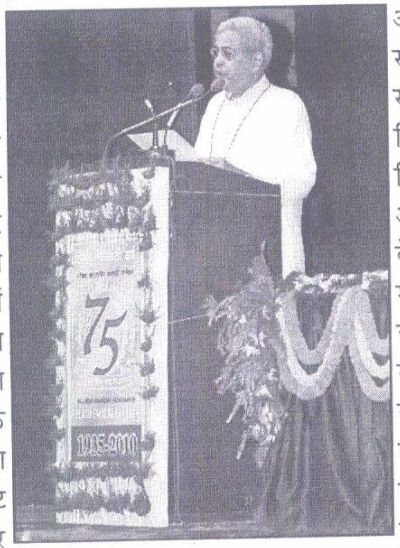

महामहिम राष्ट्रपति को सम्मेलन की गतिविधियों से अवगत कराते राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा।

'दो करोड़ रु. का उच्च शिक्षा कोष बनायेगा सम्मेलन'

चलते न केवल राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय संबंधों में बल्कि सामाजिक जीवन में भी अर्थ का बोलबाला बढ़ गया है। अर्थ के बढ़ते महत्व ने गंभीर सामाजिक समस्याओं को खड़ा किया है। हालांकि हमारे समाज में पैसा सदैव ही कुछ ज्यादा बोलता आया है। 1953 में सप्तम अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष सेठ गोविन्ददास ने कहा था-''ऐसा लगता है आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दीवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे एक साथ धनी बन जाये। हमें टका धर्म को अलविदा करना है।'' यह बात 1953 में कही गयी है। आज धन का प्रदर्शन, आडम्बर एवं दिखावा समाज के सम्मुख एक बड़ी समस्या है। मारवाड़ी सम्मेलन समाज के सम्मुख इन चुनौतियों के निराकरण के लिए विचार मंच प्रदान करती है। समाज में तेजी से बदलाव आया है। अनेक परिवर्तन हुए हैं। कुछ शुभ, कुछ अशुभ। समाज सुधार की दिशा में निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप समाज काफी सीमा तक पुरानी सामाजिक रूढ़ियों के बंधन से मुक्त हुआ है। लेकिन अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरूतियों के जाल से हम सम्पूर्ण रूप से मुक्त नहीं हो पाये हैं, विशेषकर नारी समाज राष्ट्रपति जी। आज हमारे घर की लड़कियां एवं बहुएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं प्रेम विवाह एवं अन्तरजातीय विवाह पर बातचीत करती है। यह सब आज बहुत सहज और स्वाभाविक लगता है। लेकिन कुछ वर्षों पूर्व तक ऐसा नहीं था। इस परिवर्तन के लिए समाज ने, सम्मेलन ने एक लम्बी लड़ाई लड़ी है। पर्दा प्रथा के विरूद्ध आन्दोलन किये हैं। हमारे कार्यकर्ताओं ने जाकर लाठियां खायी हैं। आजकल तो जब मैं महिलाओं की बैठकों में जाता हूं तो कहता हूं कि थोड़ा पर्दा किया करो। बालिका शिक्षा के लिए घर-घर जाकर प्रचार किया किन्तु नारी समाज को आज भी अत्याचार एवं प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। आज भी दहेज के नाम पर बहुओं को जलाया जाता है। विधवाओं को आज भी सामाजिक तिरस्कार का सामना करना पड़ता है।

सामाजिक नैतिक मूल्यों में लगातार गिरावट आयी है। मारवाड़ी समाज अपनी जिन खूबियों के लिए जाना जाता है, उन्हें खो रहा है। संचय की प्रकृति का ह्रास हुआ है। दिखावा एवं प्रदर्शन बढ़ रहा है। परिवार टूट रहे हैं। अनुशासन का अभाव, बढ़ते तलाक, टूटते विवाह आदि सामाजिक प्रश्नों पर सम्मेलन चिंतित एवं क्रियाशील है। गांधीजी बराबर कहा करते थे कि सामाजिक क्रान्ति का काम एक राजनैतिक क्रान्ति की अपेक्षा कई गुणा अधिक जटिल एवं कठिन है। मेरी मान्यता है कि मारवाड़ी सम्मेलन को विचार मंच से आगे बढ़कर एक सक्रिय

महामहिम राष्ट्रपति को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते कौस्तुभ जयंती समिति के चैयरमेन एवं पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा।

बंगाल में जो मारवाड़ी रहते हैं वे कोलकाता को अपना ही दूसरा घर समझते हैं - सुदीप बंदोपाध्याय

वैचारिक आन्दोलन का रूप लेना चाहिए। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति जी का महत्वपूर्ण एवं विचारोत्तेजक सम्बोधन सम्मेलन के समाज सुधार, समरसता एवं राष्ट्रीय एकता के कार्यक्रमों को नई प्रेरणा प्रदान करेगा।

संचालनकर्त्ता- अब हम सभी की ओर से महामहिम राष्ट्रपति को स्मृति चिन्ह भेंट करेंगे निवर्तमान अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ।

संचालनकर्ता-माननीय राज्यपाल जी को स्मृति चिन्ह भेंट करेंगे कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया।

संचालनकर्ता-आदरणीय श्री देवी सिंह जी शेखावत को स्मृति चिन्ह भेंट करेंगे महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार।

संचालनकर्ता-माननीय मंत्री श्री नरेन दे जी को स्मृति चिन्ह भेंट करेंगे श्री ओमप्रकाश पोद्दार।

संचालनकर्ता- सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय को स्मृति चिन्ह करेंगे श्री कैलाशपति तोदी।

संचालनकर्ता- अब मैं आमंत्रित करता हूं चीफ पोस्ट मास्टर जनरल श्री एस.के. चकव्रर्ती को, वे स्पेशल कवर का संक्षिप्त परिचय दें और इसके पश्चात् माननीय राज्यपाल जी स्पेशल कवर जारी कर महामहिम राष्ट्रपति जी को प्रथम प्रति भेंट करेंगे।

श्री एस.के. चकव्रर्ती- Her Excellency President of India, His Ecellency Governor of West Bengal other dignitaries on the dais and Ladies and Gentlemen. Â India Post as you know, through its medium of Philately commemorates anything that is a matter of the Pride for the country. The contributions of the Marwari Sammelan in the field of social reforms is well known to all of us. For such an institution Â India Post would have like to commemorate their Platinum Jubilee year through the issue of a commemorative Postage Stamp, but the technicalities of bringing out a commemo-

श्री देवीसिंह शेखावत को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार।

साहब, हमारे लोकप्रिय सांसद सुदीप दा, कौस्तुभ जयन्ती के चेयरमैन, महामंत्री, सभागार में उपस्थित देवियों और सज्जनों, विभिन्न प्रान्तों से आये हुए मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकर्तागण, प्रिन्ट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के बंधुगण। आज हमारे लिए परम सौभाग्य की बात है कि आज हमारे बीच हमारी महामहिम पधारी हैं और आपके आने से हमारा मान और उत्साह बढ़ा है। हममें नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। और मुझे पूर्ण आशा है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की जिन उद्देश्यों के लिए स्थापना हुई थी उसमें हम ज्यादा कारागर

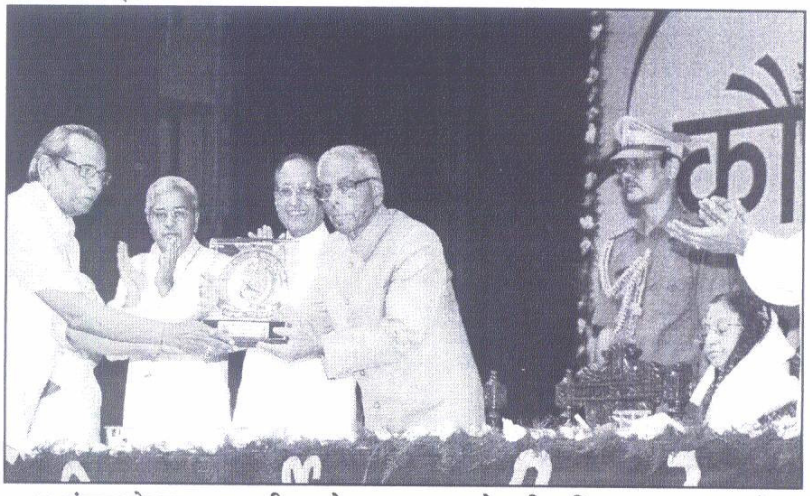

प. बंगाल के राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन को प्रतीक चिन्ह प्रदान हुए करते राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया।

रूप से कार्य करेंगे और उद्देश्य की मूल प्राप्ति करेंगे।

जैसा कि आप जानते हैं कि अ.भा.मा.स. की स्थापना 1935 में समाज के उन मनीषियों द्वारा हुई थी जिन्होंने समाज सुधार, समाज की एकता, राष्ट्रीय एकता के बारे में सोचा था। जैसा कि आप जानते हैं कि हमारा जो लोगो है, हमारा जो मूल उद्देश्य है, वह है- **म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति** और इस उद्देश्य के साथ में इस सम्मेलन की स्थापना हुई थी। विगत 75 वर्षों में समाज के बहुत से मनीषियों ने इसे अपनी सेवा से सिंचित किया और आज किसी भी संस्था के लिए बहुत हर्ष की बात है कि उन्होंने 75 वर्ष पूरा किया। जैसा कि सीताराम जी ने बताया कि हमारा समाज सुधार एक निरन्तर प्रतिक्रिया

rative stamp is so elaborate that it couldnot be done within a short notice. In such cases India Post brings out the SPECIAL COVER. for which the process is less complicated. Today on behalf of India Post I express my gratitude to the All India Marwari Federation for giving us an opportunity to be part of this historic occasion by choosing to commemorate this event through the issue of a SPECIAL COVER. Thank You All.

तत्पश्चात राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन ने विशेष पोस्टल कवर को जारी कर प्रथम प्रति महामहिम राष्ट्रपति को सौंपी।

संचालनकर्ता-सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा अध्यक्षीय भाषण के लिए आमंत्रित हैं।

श्री नन्दलाल रुँगटा-भारत की राष्ट्रपति महामहिम परम आदरणीय श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह जी पाटील, माननीय श्री नारायणन साहब, आदरणीय श्री देवी सिंह जी शेखावत, प. बंग सरकार के माननीय मंत्री श्री नरेन दे

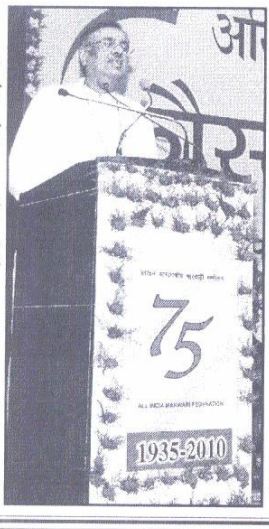

प. बंगाल के कृषि मंत्री श्री नरेन दे को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री ओम प्रकाश पोद्दार।

किया। महाराष्ट्र गये तो गणेशजी की पूजा की हमने। इस प्रकार हम जहां गये वहां के हो गये। लेकिन साथ में हमने अपनी सभ्यता और अपनी संस्कृति को भी अक्षुण्ण रखा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस प्रकार हम आगे बढ़ते रहेंगे। एक बात नारी शिक्षा के लिए। मुझे बहुत खुशी है यह बोलते हुए कि एक जमाना था कि मारवाड़ी समाज को यह समझा जाता था कि केवल बनियाओं का समाज है, यह खाली पैसा कमाने वालों का समाज है। लेकिन महामहिम जी, आज एक ऐसा समय है कि भारतवर्ष का ऐसा है, जहां एक जमाने में बाल विवाह और विधवा विवाह की दिक्कतें थीं, जहां पर बच्चियों को पढ़ाया नहीं जाता था, अब समय के साथ में समस्या बदलती चली गई। आज हमारे सामने में चिंता है तो टूटते परिवारों की, बिखरते रिश्तों की, तलाक की और फिजूलखर्ची की। पर मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप के आर्शीवाद से और आप सभी के सहयोग से जो भी समस्या समाज के सामने आती है तो समाज उसको जरूर दूर करता है। जैसा कि कहा जाता है- **जहां न जाये, बैलगाड़ी, वहां जाये मारवाड़ी।** इस कहावत का एक ही मतलब है कि हममें इन्टरप्रेन्योरशिप है। हम समय के साथ में अपने को बदलते हैं और यही एक कारण है कि हम भारतवर्ष ही नहीं, विदेशों में भी जहां-जहां भी गये हम वहां के हो गये। क्योंकि जिस प्रकार दूध में शक्कर दूध की मिठास को बढ़ाता है। हम भी हर जगह जाकर वहां पर अपने को आत्मसात् करते हैं, हम वहां पर घुल-मिल जाते हैं और हम वहां के लोगों की सेवा करते हैं। भारतवर्ष का ऐसा कोई स्थान नहीं है, जहां पर मारवाड़ी समाज ने तन-मन और धन से सेवा न की हो। हम जहां भी गये वहां के होकर रहे। अगर हम बंगाल आये तो हमने दुर्गापूजा मनाना शुरु किया, हमने बंगला भाषा बोलना शुरू किया। हम उड़ीसा गये तो उड़िया भाषा बोलना शुरु किये, हमनें भगवान जगन्नाथ को मानना शुरु

सांसद श्री सुदीप बंदोपाध्याय को प्रतीक चिन्ह प्रदान करते श्री कैलाशपति तोदी।

कोई भी क्षेत्र नहीं है, वो भले शैक्षणिक क्षेत्र हो, वो खेलकूद का क्षेत्र हो, कला संस्कृति का क्षेत्र हो, जिसमें कि हमारे समाज के व्यक्तियों ने सिरमौर स्थान नहीं प्राप्त किया हो, यह हमारे लिए गर्व की बात है। लेकिन साथ में हमें आगे और भी बहुत कुछ करना है। उच्च शिक्षा के लिए आपके पदार्पण से हमलोग प्रेरित होकर मारवाड़ी सम्मेलन ने यह निश्चय किया है कि एक कम से कम दो करोड़ रुपये का हम महा शिक्षा कोष बनाया जाय। जिससे कि समाज के मेधावी और निर्धन छात्रों को हम सहयोग दे सकें और मुझे पूरी उम्मीद है कि आज इस हॉल में इतने भामाशाह बैठे हैं कि जब मैं इस हॉल से बाहर निकलूंगा तो मुझे दो करोड़ रुपये राशि की घोषणा अपने आप हो जायेगी। एक बात और है कि हम अपनी कला-संस्कृति को बढ़ाना चाहते हैं। हमनें राजस्थानी

मंचस्थ अतिथि व पदाधिकारी। संचालन करते राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री संजय हरलालका।

मारवाड़ी एक बहुत सशक्त, सामर्थ्यवान, शक्तिमान, बुद्धिमान समाज है-राष्ट्रपति

भाषा और साहित्य का भी प्रचार - प्रसार किया है। और मुझे यह बताते हुए हर्ष होता है कि मेरे स्वर्गीय पिता श्री सीताराम जी रूंगटा की स्मृति में एक पुरस्कार हर साल वैसे लेखक को दिया जाता है, जो राजस्थानी भाषा और साहित्य की श्री वृद्धि करते हैं। हमारी चेष्टा रहती है कि केवल राजस्थानी भाषा ही नहीं बल्कि बाकी भाषाओं के ऐसे लेखकों को भी सम्मान देते हैं जो कि राजस्थान के साहित्य और कला के बारे में लिखते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारा जो समाज है, आपके आर्शीवाद से, आप सबों के सहयोग से सदा आगे बढ़ेगा। और मैं अपनी बात समाप्त करूं, इससे पहले मैं एक बात बोलना चाहता हूं कि हमें गर्व है कि हम भारतीय हैं, हमें गर्व है कि हम मारवाड़ी हैं, जय समाज जय भारत।

संचालनकर्ता-अब मैं लोकप्रिय सांसद श्री सुदीप बंदोपाध्याय से अपना वक्तव्य व्यक्त करने का अनुरोध करता हूं।

सुदीप बंद्योपाध्याय- HE Smt. Pratibha devi patil, president of india, Honourable governer sri m.k. narayanan, governer of W.Bengal, Sri Ram Avatar Poddr ji, Sri Nandlal Rungta ji, Sri Sitaram Sharmaji, Sri Devi singh Sekhawat ji, sri Naren de ji and other friend & deligates। मैं तो शुरूआत में कहूंगा कि सीताराम शर्मा जी ने कहा था कि राष्ट्रपति देश का पहला राष्ट्रपति है, जो एक औरत है, और देश कौन-कौन चलाता है-एक तो राष्ट्रपति जी, महामहिम सबसे ऊंचा पद पर है। दूसरा स्थान पर जिन्होंने है वो देश को चलाने के लिए बहुत अच्छा responsibility लेकर काम करता है वो है सोनिया गांधी है, वो भी

औरत है। तीन- हमारे देश के जो स्पीकर हैं मीरा कुमार जी, जो लोकसभा को शान्त रखने का कोशिश करती हैं वो भी औरत है और राष्ट्रपतिजी कोलकाता पधारने के बाद जिनका प्रोग्राम में होकर यहां आये हैं, रेल मंत्रक का, उनका मंत्री ममता बनर्जी हैं और उन्होंने भी एक औरत है। लेकिन one third reservation of women in parliamentarial politics वास्तवायिक नहीं हुआ। आज मारवाड़ी फेडरेशन के बारे में रुँगटाजी जब कहते थे we feel proud that we have marwaries as india, I also believe that this marwari community believe on the principle of secularism, on the principles of communal harmony & on the principle of the unity of the country. आमरा तो सेई देशे बास कोरी, जे देशे गान गाय - हिन्दू, बौद्ध, सिख, जैन आर फारसी, मुसलमान भाई। आमरा सेई कथा बोली - नाना भाषा, नाना मत, नाना परिधान, विविधेर माझे देखो मिलन महान। we are believers of the slogan, that this community delivers on the principle of unity in deversity. Marwari communities conference it is a dias where are not less than her excelling president यहां मौजूद है। हम लोग चिन्तित हैं देशवासी, आज के दो दिन बाद बाबरी मस्जिद घटना के उपर अदालत का judgement आयेगा। सारे देशवासियों से इस मंच से मैं हम लोग यह वार्ता देना चाहते हैं कि अदालत का जो राय निकले, हर religion का लोग जात-पात का उपर उठकर यह राय को मान लेना और देश की शान्ति को बनाये रखने के लिए हर कदम उठाने की कोशिश करना। We are concern with jammu and kashmir problem. Everyday it is burning। दो दिन पहले श्री चिदम्बरम जी के नेतृत्व पर एक सारे देश का All party deligation गये थे। हम All india marwadi federation के मंच से यह विश्वास करूँगा, यह प्रत्याशा करुँगा कि जम्मू एवं कश्मीर में भी जल्द से जल्द शान्ति लौट आये। पाकिस्तान कभी न कोशिश करे कि हमारे देश में कदम उठाना। जम्मू कश्मीर की शान्ति को भंग करने तथा वहां की peacefull स्थिति को नष्ट करने का। मैं बहुत खुश हूं कि education के बारे में रूंगटा जी दो करोड़ रुपये का अनुदान के लिए आता है। This is a city kolkata, from where I am the member of parliament & other part Mamta banerjee is the member of parliament. We two are there from the city of kolkata. Marwary community is the community who are very peace loving community it is my firm conviction that they believe if you donot disturb them, they will not go to disturb anybody else। देश का अर्थनीति को मजबूत करने के लिए To make india in economy standait, I proudly believe marwari community has a greater & better role to play. I also believe by responding Sri rungtaji's comments, when he go to orissa, we become the lords bhakt of jagganath, when he go to maharastra गणपति बाप्पा का हो जाता है। लेकिन by faith यह विश्वास करता हूं कि कोलकाता शहर में, बंगाल में जो मारवाड़ी रहते हैं वे कोलकाता को अपना ही दूसरा घर, second home के रूप में देखते हैं। This kolkata city have become the second home of the group of marwari. They love bengal। यह हमारे लिए दुख की बात है कि after independence eastern zone is the worst sufferer of the regoilism balances. on the which W.B. is talking the list. So will have to develoment then war. Marwari federation is going to take a decision for a development od W.Bengal. We want a change। मां, जमीन और आसमान की नारा पर आज हमलोगों को एक बंगाल का अर्थनीति का स्थिति को इतना मजबूत करना होगा कि बंगाल भी महाराष्ट्र के साथ, आन्ध्र प्रदेश के साथ, चाहे गुजरात के साथ एक साथ कदम आगे ले जा सकता है और कोलकाता शहर हमें ऐसा शहर बनाना चाहिए, जिस शहर का रूप लंदन की तरह दिखना चाहिए। क्योंकि हम लोग जानते हैं कोलकाता शहर में एक नदी बहता है गंगा नदी। हम लोग तो नारा देते हैं कि हम उस देश का वासी है जिस देश में गंगा

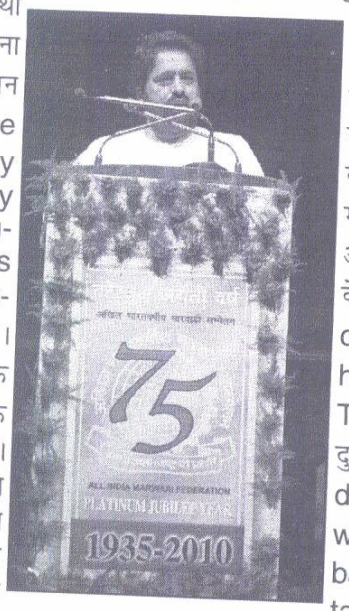

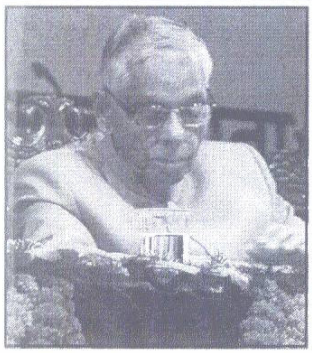

History of India's Modern Industrial Revolution is written the role and contribution of the Marwari Community will be written in Letters of Gold.

-Governor of W.B.

बहती है। तो यह गंगा तो हमारे कोलकाता शहर के बीच में बहती है। उसके सौंदर्यीकरण, इसके संस्कार, जो गंगा प्रदूषण हो जाता है, दूषित हो जाता है। मैं ALL INDIA MARWARI FEDERATION से अनुरोध करुँगा कि सरकार किसी तरह से यह गंगा को संस्कार मुक्त करने के लिए, यह गंगा को पूरी तरह से सौंदर्यीकरण करने के लिए, यह गंगा को Develop करने के लिए, जब आप कोई कदम उठायेंगे। आप हर मारवाड़ी लोग गंगा को सेवा करना, गंगा को दूषण मुक्त करना भी देश को सेवा करने का एक जरूरी कदम के साथ शामिल हो सकता है ALL INDIA MARWARI FEDERATION। मैं ज्यादा बातें नहीं कहूंगा। राष्ट्रपति जी महामहिम यहां से राजभवन जायेंगी वहां भी सबसे पहला Appointment के साथ भी मेरा नाम जुड़ा हुआ है। CHAMBER OF COMMERCE TEXTILE & TRADE INDUSTRY, वहां भी हम राष्ट्रपति जी से कुछ बात कर लेंगे। हम लोग बहुत खुश हूं। हम लोग जब राष्ट्रपति जी से मिलने गये थे मैं All india marwari federation के delegation को ले गये थे तो उन्होंने इतना प्यार से, चाहे बंगाल के बारे में, राजस्थान के बारे में इतना सुन्दर मारवाड़ी Community के बारे में, इतना ध्यान से सुने थे। और बताये थे कि मैं कोशिश करूंगी। लेकिन हमलोग यह निश्चिंत रूप से आये थे कि राष्ट्रपति जी कभी निराश नहीं करेंगी। इस All india marwari federation को और she will come. we are honour madam by your presence. Your presense has made us enthused at a very crucial juncture when country is going to face whether it is Jammu and Kashmir whether it is Babri Masjid judgement or whether in other issues your great presence and the message to the nation the opportunities which we are getting I think will take full opportunities of that and your message can make India more powerful, your message can make India more peaceful and we can stay together to make this India uphold .Madam you know Mahamati Gokhale Of Maharashtra , He said , What Bengal thinks today India thinks Tomorrow. आज बंगला जो सोचता है कल देश **वो सोचेंगे। मेरा यह** भरोसा है यह बंगाल, अगले **दिनों में सारे देश** को पथ दिखायेंगे जो सारे देश को **यह बंगाल से** देखकर अनुशरण करेंगे। आपको फिर **एक बार स्वागत**, आपको प्रणाम और आज सब **लोगों को भी प्रणाम**, नमस्कार।

संचालनकर्ता-हम आभारी हैं माननीय राज्यपालजी के, उनकी **सादर उपस्थिति** के लिए, मैं वक्तव्य प्रस्तुत करने के **लिए उनसे** सादर अनुरोध करता हूं।

श्री एम. के. नारायणन-Respected Rashtrapatiji, Dr. Devi Singh Shekhavatji, Honorable Minister for Agriculture Naren De ji, President of the All India Marwari Federation Rungtaji, Chairman of the Celebration Committee. S.R.Sharmaji, H. P. Kanodiaji, Vice President of the All India Marwari Federation, R. A. Poddarji General Secretary All India Marwari Federation, Mr. Chakraborty. Chief Post Master General. I think there is a Conspiracy by the Marwari Federation, they have juxtaposed me between the outstanding speech that Sudip Bandopadhyayji has made and of course the speech that we all wished to listen to and hear Rastrapatiji but I have realized that if you are a Governor, you have no choice, you just do what you are ordered to do. Its very difficult for me, for most of my life I was telling other people to do what they should do, so I think

कौस्तुभ जयन्ती समारोह की सचित्र झलकियां

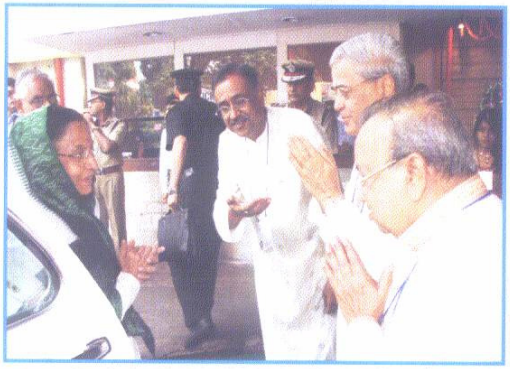

कला मंदिर में महामहिम राष्ट्रपति की अगवानी करते सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नन्दलाल रुँगटा, कौस्तुभ जयंती समिति के चैयरमेन एवं पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री रामअवतार पोद्दार।

कला मंदिर के प्रवेश द्वार पर राष्ट्रपति के स्वागत के लिए खड़े संस्था के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी।

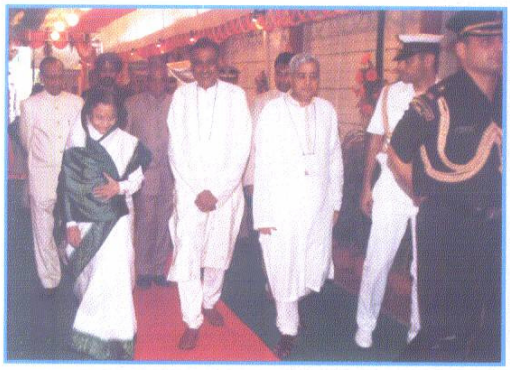

सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ कला मंदिर में प्रवेश करती महामहिम राष्ट्रपति। साथ हैं राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन।

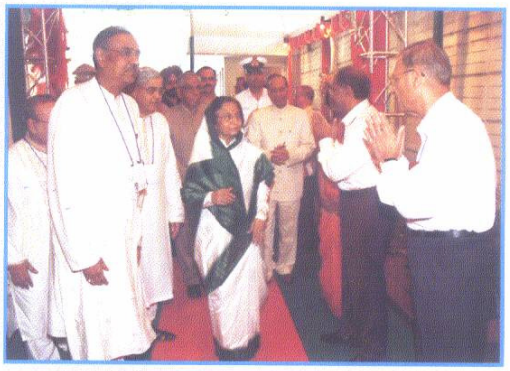

प.बंग एवं पूर्वोत्तर के प्रान्तीय अध्यक्ष विजय गुजरवासिया व डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए।

दिल्ली के प्रान्तीय अध्यक्ष पन्नालाल बैद एवं सचिव पवन कुमार गोयनका का राष्ट्रपति से परिचय करवाते सम्मेलन सभापति।

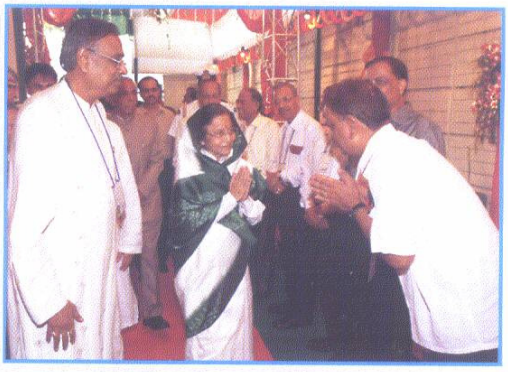

बिहार के प्रान्तीय अध्यक्ष कमल नोपानी का अभिवादन स्वीकार करती महामहिम राष्ट्रपति।

कौस्तुभ जयन्ती समारोह की सचित्र झलकियां

प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ महामहिम राष्ट्रपति।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बद्रीप्रसाद भीमसरिया
महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओम प्रकाश खण्डेलवाल
महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए।

महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए
सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणेश प्रसाद कंदोई।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेन्द्र लाठ
का महामहिम राष्ट्रपति से परिचय करवाते श्री रुँगटा।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सचिव विजय केडिया
महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए।

कौस्तुभ जयन्ती समारोह की सचित्र झलकियां

भारतीय डाक विभाग की ओर से राज्यपाल के हाथों विशेष पोस्टल कवर जारी करवाते पोस्ट मास्टर जनरल श्री शरित कुमार चक्रवर्ती।

प्रसन्नचित्त मुद्रा में सम्मेलन के सभापति नन्दलाल रुँगटा एवं पूर्व अध्यक्ष सीताराम शर्मा से रूबरू होतीं महामहिम राष्ट्रपति।

अध्यक्षीय सम्बोधन रखते हुए सम्मेलन सभापति नन्दलाल रुँगटा।

धन्यवाद ज्ञापन देते राष्ट्रीय महामंत्री रामअवतार पोद्दार।

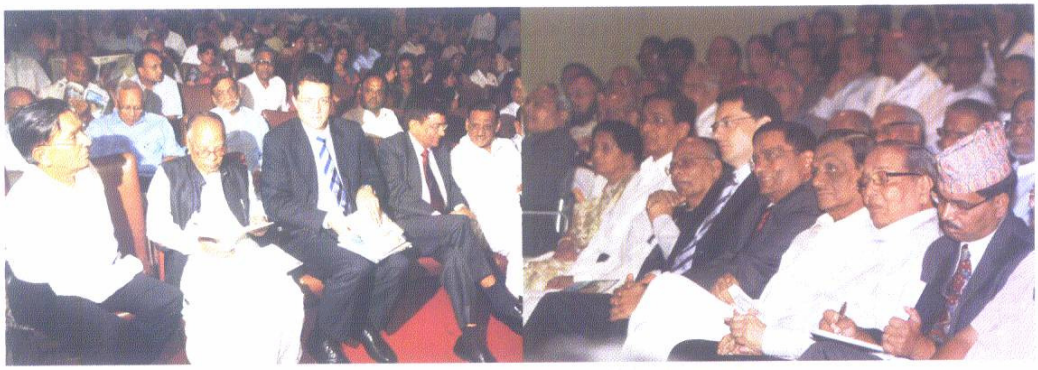

कला मंदिर सभागार में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति।

सम्मेलन के नये संरक्षक सदस्य

संरक्षक सदस्य संख्या–१३०
नाम : फलोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट
प्रतिनिधि : श्री आर.एस. फलोर
कार्यालय का पता :
३ए, जी जी टावर, प्रथम तल्ला
हाडोज रोड, चेन्नई–६०० ००६
दूरभाष : ०४४–२८२७९४८९
फैक्स : ०४४–२२५००४२९
मोबाईल : ९४४४०२२२६९
ई–मेल : stanpencil@dataone.in

संरक्षक सदस्य संख्या–१३१
नाम : सरावगी उद्योग प्रा.लि.
प्रतिनिधि : श्री रमेश कुमार सरावगी
कार्यालय का पता :
२१, हेमन्त बसु सरणी, दूसरा तल्ला
रूम न. – २१२, कोलकाता–७००००१
दूरभाष : ०३३–२११३८७७९/८०/८१/८२
फैक्स : ०३३–२२४३५३३४
मोबाईल : ९८३००२६७८२
ई–मेल : saraogiudyog@eth.net
निवास का पता :
डी १–२०, साल्ट लेक सीटी, कोलकाता–९१

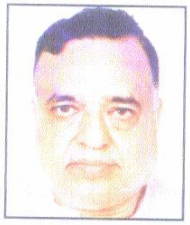

संरक्षक सदस्य संख्या–१३२
नाम : जुगल किशोर जीवनदास ककरानिया चेरिटेबल ट्रस्ट
प्रतिनिधि : श्री देवी प्रसाद ककरानिया
कार्यालय का पता :
१५६, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता–७
दूरभाष : ०३३–२२६९६८४२
मोबाईल : ९८३०६३७५३२
निवास का पता :
६, क्वींस पार्क, फ्लैट–७ए, कोलकाता–१९

संरक्षक सदस्य संख्या–१३३
नाम : एभेल प्रिंटर्स प्रा.लि.
प्रतिनिधि : श्री महेश खण्डेलवाल
कार्यालय का पता :
४५बी, राजाराम मोहनराय सरणी
कोलकाता–९
दूरभाष : ०३३–२३५०६७९६
फैक्स : ०३३–२३६०९७४८
मोबाईल : ९८३०१७११०२
ई–मेल : availprint@gmail.com
निवास का पता :
फ्लैट–२ए एण्ड डी, ब्लाक–ई, श्याम लेट गार्डेन
२०२, जैशोर रोड, कोलकाता–८९

संरक्षक सदस्य संख्या–१३४
नाम : एलैस इण्टरप्राइजेज प्रा.लि.
प्रतिनिधि : श्री राजीव सराफ
कार्यालय का पता :
१२सी, लोर्ड सिन्हा रोड
ब्लाक–ए/बी, प्रथम तल्ला, कोलकाता–७१
दूरभाष : ०३३–२२८२३२१८/०३६४
फैक्स : ०३३–२२८२४६६३
मोबाईल : ९८३००४२९५८
ई–मेल : rajeevsaraff@yahoo.co.in
निवास का पता :
१४२/१, ब्लाक–जी, न्यू अलीपुर, कोलकाता–५३

संरक्षक सदस्य संख्या–१३५
नाम : लाखोटिया ट्रांसपोर्ट प्रा.लि.
प्रतिनिधि : श्री रमेश कुमार लाखोटिया
कार्यालय का पता :
२६, तारचन्द दत्ता स्ट्रीट
कोलकाता–७३
दूरभाष : ०३३–२२३५४८०२
फैक्स : ०३३–२२३५४९७८
मोबाईल : ९८३००५२४५५
ई–मेल : ltc55@vsnl.net.in

संरक्षक सदस्य संख्या–१३६
नाम : आधुनिक इनटेरियर
प्रतिनिधि : श्री कृष्ण मुरारी कयाल
कार्यालय का पता :
पी–४४, रवीन्द्र सारणी, तीसरा तल्ला
रूम न.–३०६, कोलकाता–१
दूरभाष : ०३३–२२६५६२१५
मोबाईल : ९८३०२६४८२२
ई–मेल : adhunikgrp@gmail.com

संरक्षक सदस्य संख्या–१३७
नाम : तिरूपति वेनकम प्राइवेट लिमिटेड
प्रतिनिधि : श्री राजीव अग्रवाल
कार्यालय का पता :
१, रौडन स्ट्रीट, कोलकाता–१७
दूरभाष : ०३३–२२८१३७१९
फैक्स : ०३३–२२८३१७८६
मोबाईल : ९८३१००२५४३
ई–मेल : tupi_rajiv@hotmail.com
निवास का पता :
१०, अलीपुर पार्क रोड, कोलकाता–२७

the tables are turned.

But I do wish to make a statement I would say that I regarded as a singular honor to be present on the same dais as our very beloved and respected Rashtrapatiji. I also deem it a very special privilege to be able to participate in this function connected with the Platinum Jubilee Celebration of the Marwari Federation which is being inaugurated by Her Excellency The President.

I would like to commend the initiative of the Marwari Federation in inviting Her Excellency to mark the commencement of the Platinum Jubilee Celebrations.

I thought that what I would say would go down very well with all the participants or the members of the audience who are present here but I think Sudip Bandopadhyayji has stolen my thunder. I wanted to say that when the history of India or at least the history of India's Modern Industrial Revolution is written the role and contribution of the Marwari Community will be written in Letters of Gold. I honestly believe this. I wish I was born a Marwari then I could have married into a Marwari family but I think all Indian's have reason to feel grateful to the Marwari Community because wherever they has been, they have contributed to the growth, the progress and the wealth of the area that they have lived in and Kolkata or West Bengal which has perhaps the largest concentration of Marwaris anywhere including in Rajasthan, I think, has been a great beneficiary and it is only when the Marwari exodus from Kolkata started taking place, I think that the position of Kolkata and perhaps the Bengal has gone down but I think its not important, I mean whether it one part of the country or the other I think the Marwaris has contributed very very significantly to the nations progress and that what all of us are wishing for. There are several names that one can take in the Marwari Community who have made contributions, so I don't think I should waste your time or my time and most importantly the Rastrapatiji's time in mentioning them. But I do wish to make the point that these important members of the Marwari Community over the years along with doyens of the of Parsi Community in Mumbai or what is Bombay laid the foundations for the India's future progress. Individually and jointly the Marwari Community has enabled India to reach where it is today. One of the thriving economies of the world, actively wooed by all developed countries, who seek partnership with India today perceiving it as essential for their own future progress. When I was in the United States in 2005, 2006, 2007 and 2008 struggling to push through what was one of the landmark and significant achievements of Prime Minister Manmohan Singh and his government viz. The India - US Civil Nuclear Initiative, I would say that members of the Marwari Community who was present there played a very very important role. I will take this opportunity today to thank them and also I would say the Bengalis, because, I think the Swadesh Chatterjee's and Purnendu Chatterjee's played an equally important role in pushing this through. So both the Marwaris and the Bengalis I think deserved to be sort of praise and short of extort for their role.

The All India Marwari Federation was established in December 1935, and it had a long and chequered history since then. I think the Federation is better known as Marwari Sammelan so I don't know why they don't change their name to Marwari Sammelan but I think it renowned for its entrepreneurial abilitities and contributions but I think we should not minimize the contribution they made to India's Independence Movement, I mean this, I think this, the coincidence that the Marwari

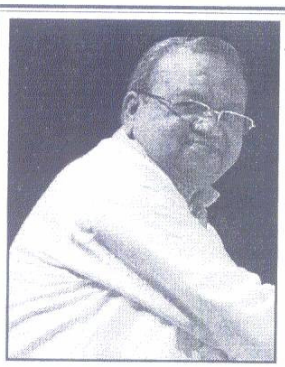

महामहिम ने जो पथ हमें दिखाया है वो समाज के लिए भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा

-रामअवतार पोद्दार

Federation came into existence in 1935 and that the thirties were perhaps the one the most tumultuous decades in India's Independence Movement I think there is some synergies between the two and is this was the period when India under the dynamic leadership of Mahatma Gandhi shot of woke out of deep slumber of the colonial year and raise the cry for the independence. Developments like the Dandy. Satyagraha, the civil disobedient movement and the promulgation of the Govt. of India Act of 1935 were creating a stir in the country and the Marwari Sammelan couldn't be expected to keep away from the winds of change sweeping across the country. Kolkata and here I think I still a march over Sudip Bandopadyayji, Kolkata is the natural home of the Marwaris and the Marwaris and the revolutionaries of Bengal between them played a very very important role in our future progress. I mean the path were different, one was constructive and other one was revolutionary but between them I think they achieved what we all hoped for the independence of India. In the post independence period that we just heard from Rungtaji and Sharmaji the Sammelan has moved into the area of Social Reform, it took up cudgels against obdurate Social Practices like Parda Pratha to plead and promoting education amongst girls and initiated steps in favour of re-marriage and anti dowry etc. Currently I understand the Sammelan is playing a role in counselling both younger member of the community against social ills such as increasing incidence of divorce and also helping elders in various ways. For my part I would think that one of the most progressive steps undertaken by individual members of the Marwari Community and by the Sammelan is offering scholarship and financial assistances to meritorious and needy students. Thus I would say the Federation remains an integral part of not only India's past but also its present and as well as its future. It is indeed fortunate that on the occasion of Platinum Jubilee of the federation the Marwari Community has been able to secure the august presence of both, Her Excellency the President of India and Dr. Devi Singh Shekhawatji whose life are standing testimony to age old values and our holy traditions. May I wish the Marwari Federation and Marwari Community an even more glorious future and with these words I welcome Her Excellency The President.

संचालनकर्ता-भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह जी पाटिल अब हमें सम्बोधित करेंगी। आप सबसे निवेदन है कि करतल ध्वनि से उनका सम्मान करें।

(महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील का सम्बोधन प्रारम्भ में प्रकाशित किया गया है)

संचालनकर्ता-अब मैं धन्यवाद ज्ञापन के लिए आमंत्रित करता हूं सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार को।

श्री रामअवतार पोद्दार- मंचस्थ महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, पश्चिम बंगाल के

कार्यक्रम के पश्चात प्रसन्नचित्त मुद्रा में कला मंदिर से विदा होती महामहिम राष्ट्रपति।

राज्यपाल श्री एम.के. नारायणन, माननीय श्री देवीसिंह शेखावत, पश्चिम बंगाल के कृषि मंत्री श्री नरेन दे, माननीय सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय, भारतीय डाक विभाग के श्री शरित कुमार चक्रवर्ती, हमारे अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा, कौस्तुभ जयंती के चेयरमैन श्री सीताराम शर्मा, आप सभी भाई बंधुओं-अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कौस्तुभ जयंती समारोह में पधार कर महामहिम राष्ट्रपति ने हमारा जो मनोबल बढ़ाया है उसके लिए मैं सम्मेलन की ओर से हार्दिक आभार प्रकट करता हूं। महामहिम ने अपने संबोधन में जो पथ हमें दिखाया है वो हमारे लिए भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही मैं तहेदिल से आभारी हूं पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के श्री एम.के. नारायणन का, जिन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित होकर हमारा मान बढ़ाया। साथ ही हैं माननीय श्री देवीसिंह शेखावत, जो कि हमारे अपने हैं, हमारे राजस्थान से हैं उनको भी मैं धन्यवाद देता हूं। माननीय सांसद श्री सुदीप बंद्योपाध्याय का साथ एवं सहयोग हमें हमेशा मिलता है एवं उनकी उपस्थिति एवं सहयोग के प्रति मैं आभार प्रकट करता हूं। मैं पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर उपस्थित कृषि मंत्री श्री नरेन दे का भी मैं आभारी हूं। मैं आभारी हूं भारतीय डाक विभाग। जिन्होंने इस विशेष अवसर पर विशेष पोस्टल कवर जारी किया। इसके अलावा इस कार्यक्रम हेतु राष्ट्रपति भवन के उच्च पदस्थ अधिकारियों, पुलिस की स्पेशल ब्रांच, राइटर्स बिल्डिंग के कार्यक्रम से संबंधित अधिकारियों, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर सहित पुलिस के अधिकारियों, कला मंदिर प्रबंधक सहित सभी कर्मचारियों, सम्मेलन के हमारे साथियों से मिले सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभारी हूं। जिनके सक्रिय सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हुआ। कोलकाता के तमाम अखबारों एवं यहां उपस्थित प्रेस व मीडिया से जुड़े लोगों के प्रति भी मैं आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने हमारे समाचार को प्रमुखता से अखबारों में स्थान दिया। अंत में मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूँ हमारे सभी उपाध्यक्षों, प्रांतीय अध्यक्षों एवं सचिवों, अन्य प्रांतों से आये हमारे माननीय सदस्यों, महानगर के विशिष्ट लोगों, हमारे संरक्षक एवं अन्य सदस्यों का, जिन्होंने यहां उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन।

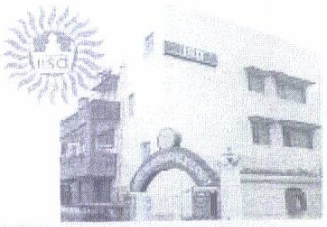

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekanand

Upto 100% Scholarship to economically challenged students

3 Yrs. **BBA** Rs. 75,000

3 Yrs. **BCA** Rs. 75,000

2 Yrs. **MBA** Rs. 85,000

Affordable fees

Convenient Weekend Classes
A.C Classrooms

Courses Offered

- MBA, BBA and BCA
- Language Courses: Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, French, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, Korean, Sanskrit and Hindi
- Certificate Course in Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Entrepreneurship Development
- Vocational & Technical Training

Preparatory Courses

- MD, MS, MRCP (Medicine) Part I and DNB Part I
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS-Executive and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (PE-I, PE-II and Final)
- NDA/CDS-UPSC Examinations and SSB Interview
- Diploma in Banking and Finance
- CS (Company Secretary) Courses (Foundation, Intermediate and Final)
- Advocateship

Assistance for Admission to Grodno State Medical University, Belarus

Complimentary ERP Training and Business English certificate from British Council

Degree conferred by Punjab Technical University approved by UGC, Ministry of HRD, GoI, and DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106

Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379

E-Mail : info@iisdedu.in • Website : www.iisdedu.in

कला मंदिर में जैसे उमड़ा पूरा मारवाड़ी समाज

कौस्तुभ जयन्ती समारोह में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति

कोलकाता– अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की ७५वीं वर्षगाठ के अवसर पर आयोजित कौस्तुभ जयंती समारोह में कला मंदिर में मानो पूरा मारवाड़ी समाज उमड़ पड़ा।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील की गरिमामयी उपस्थिति के साथ कौस्तुभ जयन्ती समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राज्य के राज्यपाल एम.के. नारायणन, सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय, राज्य के कृषि मंत्री नरेन दे, देवी सिंह शेखावत, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल एस के चक्रवर्ती, नेपाल के कौंसुल जनरल सुरेश मान श्रेष्ठा समेत अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग की ओर से विशेष पोस्टल कवर जारी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सम्मेलन सभापति नन्दलाल रुंगटा ने की। स्वागत वक्तव्य पूर्व सभापति एवं कौस्तुभ जयंती समारोह समिति के चेयरमैन सीताराम शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री राम अवतार पोद्दार, राष्ट्रीय कोषाअध्यक्ष आत्माराम सोंथलिया, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ओम प्रकाश पोद्दार व संजय हरलालका उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत से हुआ। समारोह में विभिन्न उद्योगों व व्यापार, तकनीकी शिक्षा, कला, संस्कृति, शोध, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में जुड़े मारवाड़ी समाज के विशिष्ट अतिथिगणों ने शिरकत की। बी. डी. सुरेका, मोहनलाल तुलस्यान, हरी प्रसाद बुधिया, प्रहलाद राय अग्रवाल, रतन शाह, भानीराम सुरेका, बद्रीप्रसाद भीमसरिया, गणेश प्रसाद कंदोई, ओम प्रकाश खण्डेलवाल, के. बी. अग्रवाल, नवल जोशी, राजेन्द्र खंडेलवाल, जुगल किशोर जैथलिया, सज्जन भजनका, सुरेन्द्र लाठ, विजय केडिया, कमल नोपानी, राजेश सिकरिया, विजय गुजरवासिया, रामगोपाल बागला, डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका, पन्नालाल वैद, पवन गोयनका, कमलेश नाहटा, अनिल शर्मा समेत मारवाड़ी समाज के जाने–माने लोग भारी संख्या में समारोह में उपस्थित थे।

आयोजित समारोह मारवाड़ी समाज के गर्व और राजस्थान के गौरव के लिए था। मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने भी आयोजित समारोह में शिरकत की। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल समेत राज्यपाल एम के नारायणन, एस के चक्रवर्ती ने देश व कोलकाता के विकास में मारवाड़ी समाज के योगदान की प्रशंसा की। समारोह में शामिल होने पर राष्ट्रपति ने खुशी जतायी। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज अनेकता में एकता का विशिष्ट उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि समाज अपने ध्येय वाक्य 'म्हारो लक्ष्य–राष्ट्र री प्रगति' के अनुसार समाज

सुधार, समरसता, राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्रीय एकता के अपने प्रयासों में निरंतर लगा रहेगा। समारोह के सुसज्जित ढंग से सफल होने पर सभी ने खुशी जाहिर की। समारोह में आये सभी लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की।

भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्वर्गीय भंवरमल सिंघी की स्मृति में गठित भंवरमल सिंघी समाज सेवा न्यास द्वारा समाज सुधार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए स्थापित भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार सम्मेलन के 75 वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिसंबर में प्रदान किया जाएगा।

उक्त पुरस्कार हेतु प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से 2008–2010 कार्यकाल में समाज सेवा कार्य के आधार पर उपयुक्त नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को 25 नवम्बर 2010 तक भेजने की कृपा करें।

निर्णायक मंडल

श्री सीताराम शर्मा, श्री हरिप्रसाद बुधिया, श्री नन्दलाल रुँगटा, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री सज्जन भजनका, श्री आत्माराम सोन्थालिया, श्री रामअवतार पोद्दार एवं श्री पुष्कर लाल केडिया।

संयोजक :– श्री संजय हरलालका

सीताराम रूँगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व0 सीतारामजी रुँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए पुरस्कार की स्थापना की गई है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से अनुरोध है कि पुरस्कार के लिए नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को 25 नवम्बर 2010 तक भेजने की कृपा करें।

निर्णायक मंडल

श्री सीताराम शर्मा, श्री रतन शाह, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री नन्दलाल रुँगटा, श्री प्रहलाद राय अग्रवाल, श्री नथमल केड़िया, श्री जुगल किशोर जैथलिया एवं श्री रामअवतार पोद्दार।

संयोजक :– श्री शम्भु चौधरी

उपरोक्त पुरस्कार दिसम्बर माह में सम्मेलन के 75 वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिए जायेंगें।

कोलकाता मारवाड़ियों का प्राकृतिक गृह है

– राज्यपाल एम. के. नारायणन

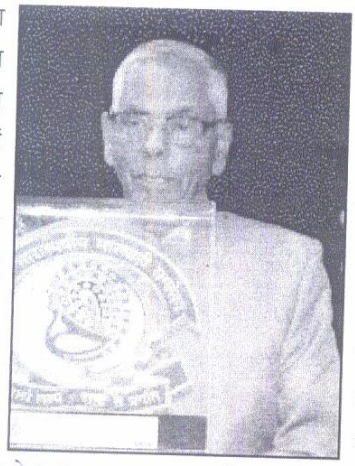

कोलकाता। कोलकाता मारवाड़ियों का प्राकृतिक गृह है। राज्य के राज्यपाल एम के नारायणन ने उक्त बातें अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की ७५वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कौस्तुभ जयंती समारोह के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि बंगाल की क्रांति से लेकर बंगाल के विकास तक इनका योगदान सराहनीय है। उद्योग, शिक्षा, कला, संस्कृति, शोध, चिकित्सा से लेकर हरेक क्षेत्र में मारवाड़ियों की भूमिका अहम है। सामाजिक कार्यों में भी मारवाड़ी समाज ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया है। मारवाड़ी समाज ने कारोबार के जरिये नयी–नयी तकनीकों तथा कौशल का भी विकास किया है। मारवाड़ी समाज के प्रगतिशील लोगों ने पर्दा प्रथा, दहेज जैसी कुरीतियों पर भी कुठाराघात किया है। इधर, भारतीय डाक विभाग के चीफ पोस्ट मास्टर जनरल एस के चक्रवर्ती ने अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की ७५ वीं वर्षगाठ के अवसर पर आयोजित कौस्तुभ जयंती समारोह के दौरान विशेष पोस्टल कवर जारी किये जाने पर खुशी जाहिर की। चक्रवर्ती ने विशेष पोस्टल कवर को राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, राज्यपाल एम के नारायणन, सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय समेत मंच पर उपस्थित सभी गण्यमान्य अतिथियों को भेंट स्वरुप दिए।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

नव सौन्दर्यीकृत एवं आधुनिक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव सौन्दर्यीकृत एवं आधुनिक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार, साथ में है प्रान्तीय अध्यक्ष श्री कमल नोपानी एवं सचिव श्री राजेश सिकरिया

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव सौन्दर्यीकृत एवं आधुनिक कार्यालय कक्ष का उद्घाटन १० अक्टूबर २०१० को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार (कोलकाता) ने किया। इस अवसर पर प्रान्तीय सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी एवं सौन्दर्यीकरण कार्य में सहयोग देने वाले मुख्य सहयोगी गायत्री–मोती लाल सुरेका स्मृति समिति के अनेकों सदस्य सहित बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सम्मेलन पटना नगर शाखा के अनेकों गणमान्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने की। आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रदेश महामंत्री श्री राजेश सिकरिया ने कहा कि इसी वर्ष जनवरी माह में सभाकक्ष का सौन्दर्यीकरण किया गया था और आज हमलोग कार्यालय कक्ष का उद्घाटन कर रहे हैं।

अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मेलन के द्वारा समाज के लोगों को एकजुट करने तथा उनके माध्यम से सामाजिक कार्य करने हेतु निरंतर कार्य किये गये हैं। भविष्य में भी सम्मेलन अपने इन कार्यों के प्रति सतत् प्रयास करता रहेगा।

इस अवसर पर गायत्री–मोती लाल सुरेका स्मृति समिति की ओर से श्री अंजनी सुरेका ने समिति द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। साथ ही श्री पवन सुरेका दरभंगा के द्वारा भी सभा को सम्बोधित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटनकर्त्ता श्री राम अवतार पोद्दार ने अपने संबोधन में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2010-2012
Date of Publication - 28, October 2010
RNI Regd. No. 2868/68

S.R RUNGTA GROUP

Caring for Land and People...

RUNGTA MINES LIMITED

Mine Owners, Exporters & Sponge Iron Manufacturer

- ***IRON ORE*** *– BF & SPONGE GRADE, BLUE DUST, CRUSHED FINES*
- ***MANGANESE ORE*** *– BF & FERRO MANGANESE GRADE, DIOXIDE, FINES*
- ***LIMESTONE, BAUXITE, QUARTZ, PYROPHYLLITE***
- ***SPONGE IRON*** *– LUMPS & FINES*

CORPORATE OFFICE

RUNGTA HOUSE, CHAIBASA – 833 201, JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256861/256761/256661; Fax: 91- 6582-256442
Email: rungtas@satyam.net.in, Web Site: www.rungtamines.com; GRAM: "RUNGTA"

REGD. OFFICE:

8A, EXPRESS TOWER, 42A, SHAKESPEARE SARANI, KOLKATA – 700 017, INDIA
Phone: 033 - 2281 6580, 22813751; Fax: 91-33- 2281 5380; E-mail: rungta_cal@sify.com

MINES DIVISION:

MAIN ROAD, BARBIL – 758 035, DIST. KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone : (06767) 275221, Telefax : 91- 6767- 276161

SPONGE IRON DIVISION:

ORISSA
MAIN ROAD, BARBIL – 758 035
DIST. KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone : (06767) 276891
Telefax : 91- 6767- 276891

JHARKHAND
RUNGTA OFFICE, SADAR BAZAR,
CHAIBASA-833201
DIST. SINGHBHUM(W), JHARKHAND, INDIA
Phone : (06767) 276891/256321 Fax : 91-6582-257521

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
Ph : 2268 0319
E-mail : samajvikas@gmail.com

T/WB/LM-867
891 KAILASHPATI TODI (L.M.)
16, KISHANLAL BURMAN ROAD
BANDHGHAT, BALKIA
HOWRAH- 711106
WEST BENGAL

कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सशक्त इकाई है तथा इसके पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा जिस तरह से निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्य किये जा रहे हैं। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। बिहार इकाई के कार्यालय कक्ष एवं सभाकक्ष को देखकर मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि पूरे देश में मारवाड़ी सम्मेलन का कार्यालय इस तरह का नहीं है।

अतिथियों का धन्यवाद श्री निर्मल झुनझुनवाला ने किया तथा सफल संचालन पूर्व महामंत्री श्री बिनोद तोदी ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री राजेश बजाज, बद्री प्रसाद भीमसरिया, बिनोद गोयल, सुषमा अग्रवाल, रंदीप झुनझुनवाला, रामपाल अग्रवाल नूतन, रामावतार पोद्दार, बादल चन्द अग्रवाल, हरि कृष्ण अग्रवाल, महेश जालान, राकेश बंसल, गणेश कुमार खेमका सहित अनेकों सदस्य उपस्थित थे।

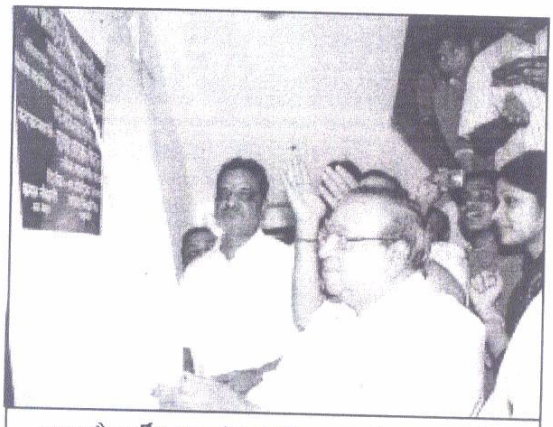

नव सौन्दर्यीकृत एवं आधुनिक कार्यालय कक्ष के शिलालेख का अनावरण करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार, साथ में हैं प्रान्तीय अध्यक्ष श्री कमल नोपानी व अन्य।

पटना में अग्रसेन महाराज की मूर्ति स्थापित हो – कमल नोपानी

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में श्री अग्रसेन जी महाराज की जयन्ती संध्या ४.०० बजे सम्मेलन सभाकक्ष में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जगदीश प्र० मोहनका द्वारा की गई। कार्यक्रम में श्री कमल नोपानी, श्री आर०के० अग्रवाल (प्रमंडलीय रेल प्रबंधक–सोनपुर), पी०के० बंसल (मंडल प्रबंधक–बैंक ऑफ इंडिया), श्री दशरथ कुमार गुप्ता (प्रसिद्ध उद्योगपति) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही मारवाड़ी सम्मेलन एवं अग्रवाल सम्मेलन के अनेकों पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में श्री अग्रसेन जी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

अग्रसेन जयन्ती समारोह के अवसर पर उपस्थित प्रान्तीय अध्यक्ष कमल नोपानी, सचिव राजेश सिकरिया व अन्य पदाधिकारी

आगन्तुकों का स्वागत श्री के०एम० अग्रवाल द्वारा किया गया तथा श्री जगदीश प्रसाद मोहनका ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री अग्रसेन जी महाराज के बारे में जानकारियाँ दी।

मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कमल नोपानी ने अपने सम्बोधन में कहा कि विगत कई वर्षों से पटना शहर में श्री अग्रसेन जी महाराज की मूर्ति स्थापित करने हेतु हमलोगों के द्वारा सरकार से मांग किया जाता रहा है, लेकिन अब तक हमारी यह मांग पूरी नहीं हो पायी है। आज पुनः इस अवसर पर सरकार से अनुरोध है कि हमारी मांग पर अविलम्ब निर्णय लें एवं श्री अग्रसेन जी महाराज की मूर्ति स्थापित करने के लिए स्थल प्रदान करें, जहाँ हम अपने प्रेरणा स्रोत श्री अग्रसेन जी महाराज की मूर्ति की स्थापना कर सके।

स्वागताध्यक्ष श्री दशरथ कुमार गुप्ता, विशिष्ठ अतिथि श्री पी०के० बंसल, मुख्य अतिथि श्री आर०के० अग्रवाल के द्वारा भी महाराजा अग्रसेन जी महाराज की शासन प्रणाली एवं उनके द्वारा चलायी गई योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व महामंत्री श्री बिनोद तोदी द्वारा किया गया एवं श्री राजेश सिकरिया महामंत्री बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक गोपाल कृष्ण झुनझुनवाला, डा० उषा अग्रवाल, अर्चना जैन, रतन अग्रवाल, विजय कुमार किशोरपुरिया, बादल चन्द अग्रवाल, राजेश बजाज, रंदीप झुनझुनवाला, नरेश कुमार बंसल, राधेश्याम बंसल, अंजनी सुरेका, राकेश बंसल सहित अनेकों पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित थे।

सम्मेलन के नये आजीवन सदस्यों का स्वागत

नाम : **मन मोहन गाड़ोदिया**
कार्यालय का पता :
गाड़ोदिया सेक्यूरिटीज लिमिटेड
१०/१, प्रिंसेप स्ट्रीट, दूसरा तल्ला
कोलकाता–७२
मोबाईल नं.– ०९००७२०७२४६

नाम : **गोविन्द प्रसाद पंसारी**
कार्यालय का पता :
जन प्रगति विन ट्रेड प्रा.लि.
१७८बी, ब्लाक–ए, बांगुड़ एवेन्यु,
कोलकाता–५५
मोबाईल नं.– ०९८३१२८६९१९

नाम : **सुरेश कुमार अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
जेम्स डिजायर बुटिक
१०/३, हंगर फोर्ड स्ट्रीट
कोलकाता–१७
मोबाईल नं.– ०९८८३२९६०९१

नाम : **कांति चन्द्र गोयनका**
कार्यालय का पता :
एस.के. गोयनका एण्ड सन्स
३३/१, नेताजी सुभाष रोड, (४२७,
मार्सल हाउस), कोलकाता–१
मोबाईल नं.– ०९८३६५५५०४०

नाम : **गिरधारी लाल खेमानी**
कार्यालय का पता :
पी १५, न्यू सी.आई.टी. रोड
कोलकाता–७३
मोबाईल नं.– ०९८३०३८८५५/
९४३३०१९८८६

नाम : **अशोक अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
सेविजपुर टी कम्पनी प्रा.लि.
८, बी.आर.बी. बसु रोड, एक तल्ला,
रूम. न.–१०४, कोलकाता–१
मोबाईल नं.– ०९८३००३५१२१

नाम : **रतन लाल अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
आर.आर. अग्रवाल ज्वैलर्स प्रा.लि.
७, कैमेक स्ट्रीट, दूसरा तल्ला
कोलकाता–१७
मोबाईल नं.– ०९८३०४३१०१०

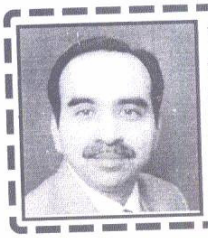

नाम : **मुकुल सोमानी**
कार्यालय का पता :
हिन्दुस्तान नेशनल ग्लास एण्ड
इंडस्ट्रीज लिमिटेड
२, रेड क्रास प्लेस, कोलकाता–१
मोबाईल नं.– ०९९०३०४७०४०

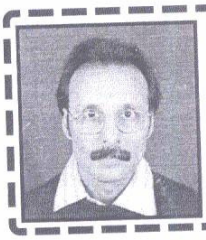

नाम : **शंकर जालान**
निवास का पता :
६४, पाथुरिया घाट स्ट्रीट,
चौथा तल्ला, कोलकाता–६
मोबाईल नं.– ०९९०३१०१०९९

नाम : **अशोक कुमार अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
केडिया अग्रवाल एण्ड एशोसियेट्स
पी ४१, प्रिंसेप स्ट्रीट, रूम न.
–६०७–६०८, कोलकाता–७२
मोबाईल नं.– ०९३३१०१७५८१

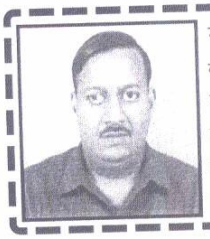

नाम : **प्रदीप कुमार सराफ**
कार्यालय का पता :
पी–१, हाइड लेन, जोहर बेल्डिंग
न्यू सी.आई.टी. रोड, नौवा तल्ला
कोलकाता–७३
मोबाईल नं.– ०९८३१००६५८९

नाम : **संदीप कुमार जालान**
निवास का पता :
आर. एस. डिजाइनर्स प्रा.लि.
डी३–५६/१/न्यू स्यूटेबल रोड
बाई लेन–१, महेश तल्ला
२४ परगना (एस), कोलकाता–४१
मोबाईल नं.– ०९८३००७८२६८

सम्मेलन के नये आजीवन सदस्यों का स्वागत

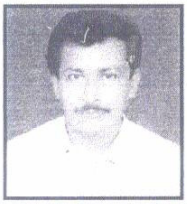

नाम : **दिलीप सोंथलिया**
कार्यालय का पता :
दिलीप मोटर्स
जी.टी. रोड, रोंडिहा मोड़
पानागढ़ बाजार, बर्दमान–७१३१४८
मोबाईल नं.– ०९९३३६४५९८३

नाम : **मनोज कुमार माखरिया**
कार्यालय का पता :
जी.एस. ओयल लिमिटेड
स्टेशन रोड, आदिलाबाद
मोबाईल नं.– ०९८४९५२४८९५

नाम : **अशोक कुमार पारख**
कार्यालय का पता :
एस.के. पारख एण्ड कम्पनी
१९, आर.एन. मुखर्जी रोड
इस्टर्न बिल्डिंग, प्रथम तल्ला, कोल–१
मोबाईल नं.– ०९८३००३९२३४

नाम : **हरिश सिंघानिया**
कार्यालय का पता :
सुभम–७०७
१, राउडन स्ट्रीट, कोलकाता–१७
मोबाईल नं.– ०९८३००८८६१३

नाम : **सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
एलोयज एण्ड मेटल्स (इण्डिया)
७, क्लाइड रो, हेस्टिंग्स,
कोलकाता–२२
मोबाईल नं.– ०९८३१२०४३३३

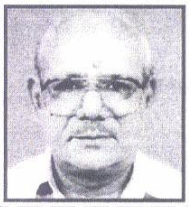

नाम : **आत्माराम अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
८/१, हरदत्त राय चमड़िया रोड
हावड़ा – १
मोबाईल नं.– ०९७४८०२०००६

नाम : **संतोष कुमार अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
अग्रवाल साहा एण्ड एशोसिएट्स
१८, एन.एस. रोड, तीसरा तल्ला
रूम न.–९, कोलकाता–९
मोबाईल नं.– ०९८३१००६७१४

नाम : **शिव नाथ नेवटिया**
कार्यालय का पता :
१६, नेताजी सुभाष रोड
दूसरा तल्ला, कोलकाता–१
मोबाईल नं.– ०९८३००६५९७७

नाम : **महाबीर प्रसाद परसरामपुरिया**
कार्यालय का पता :
साहुल फाइनेंस लिमिटेड
२०१, मंगलम–बी,
२६, हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता–१
मोबाईल नं.– ०९८३१०३२९९०

नाम : **सुरेश झुनझुनवाला**
कार्यालय का पता :
जे.जी.केमिकल्स प्रा.लि.
३४ए, मेटकाफ स्ट्रीट, तीसरा तल्ला
कोलकाता–१३
फोन – ०३३–४०१४०१००

नाम : **सुभाष चन्द्र अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
किसन लाल रामसरुप
आर.पी. रोड, निजामाबाद,
आंध्र प्रदेश–५०३००१
मोबाईल नं.– ०९८४९१४५६७८

सम्मेलन के नये विशिष्ट सदस्यों का स्वागत

नाम : **राज कुमार सरावगी**
कार्यालय का पता :
एस.डी.–४६७/५, सेक्टर–३
साल्ट लेक सिटी, कोलकाता–१०६
मोबाईल नं.– ०९८३०४२०५५०/
९३३०३५७३७१

नाम : **सुदर्शन कुमार मेहता**
कार्यालय का पता :
मेहता फाइन आर्ट प्रेस
२०, बालमुकुन्द मक्कर रोड,
कोलकाता–७
मोबाईल नं.– ०९८३०२१४०२८

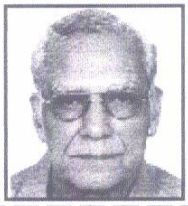

नाम : **मदनलाल गुप्ता**
कार्यालय का पता :
मदनलाल गुप्ता एडवोकेट
मारवाड़ीगली, निजामाबाद
मोबाईल नं.– ०९८४८५९०००६

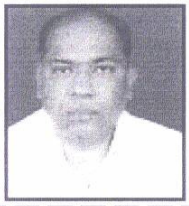

नाम : **मोहनलाल अग्रवाल**
कार्यालय का पता :
ममता इण्टरप्राइजेज काटन कमिशन
६–५–९९/६, डोकवाल कम्पलेक्स
सिनेमा रोड, आदिलाबाद, आंध्र प्रदेश
मोबाईल नं.– ०९४४००६३४५०

नाम : **नरेन्दर गुप्ता**
कार्यालय का पता :
गुप्ता इण्टाप्राइजेज
२८–१–४७, एलुरू रोड,
अरूंदालपेट, विजयवाड़ा–५२०००१
मोबाईल नं.– ०९९८५५९६९९६

नाम : **देवेन्द्र प्रताप सिंह शेखावत**
कार्यालय का पता :
बी–११, सैनिक नगर ईस्ट
चुरू रोड, झुनझुनू–३३२००१,
राजस्थान

कविता :

जैसा खोजा वैसा पाया

- परशुराम तोदी 'पारस'

श्री हनुमान कृपा सुशील पर बरसी,
पारस ने ऐसा फरमाया।
गुरु सतपाल के गुर अनोखे,
देश, विदेश में नाम कमाया।
७७ किलो वजन में भाई,
सुशील ने जो बिगुल बजाया।
देश की प्रतिष्ठा खूब बढ़ाई,
कुश्ती जगत में कुछ कर दिखलाया।
मेहनत कई, शरीर का साधन,
देखो कैसा खेल दिखाया।
सुशील मित्र पारस का भाई,
जैसा खोजा वैसा पाया।

– 17, के.एल.वर्मन रोड,
पों.–सलकिया, जिला–हवड़ा–7

व्यंग्य दोहे

- परशुराम तोदी 'पारस'

(१)
पारस इस संसार में, सब किस्मत का खेल
कातिल को कुर्सी मिले, फरियादो को जेल।

(२)
सब कुछ उल्टा हो गया, आज जगत व्यापार
थाने में जन्माष्टमी, मन्दिर में हथियार।

(३)
ना का विल का बिल हुये, छौट रहे कानून
भेड़ बोईये खेत में, और काटिये ऊन।

(४)
भूत पूर्व जब से हुये राम निरंजनलाल
मिट गई सब हेकड़ी, बदल गई अब चाल।

(५)
जब तक कुर्सी पर रहे, नहीं सुनी फरियाद,
अब पटरी पर आ गये, रघुनन्दन परसाद।

युगपथ चरण :

श्री रामकृष्ण जनकल्याण समिति के सेवा कार्य

सेवा कार्यो का विवरण वर्ष 2009–2010 :

श्री रामकृष्ण जनकल्याण समिति ने इस वर्ष भी अपनी सामाजिक सेवाओं का विस्तार करते हुए निरन्तर प्रगति की है।

नेत्र परीक्षण चश्मा वितरण एवम् होमियोपैथिक सेवा कार्य:

जरुरतमन्दों की सहायता एवम् सेवा करना ही समिति का एक मात्र उद्देश्य है। इस वर्ष सुयोग्य डाक्टरों की देखरेख में सेवा कार्यालय में २७०० रोगियों का नेत्र परीक्षण किया गया एवम् १९५० चश्में जरुरतमन्दों को निशुल्क प्रदान किये गये। होमियोपैथिक विभाग के करीब ३८५० रोगियों को दवाईयाँ प्रदान करके उन्हे स्वास्थ्य लाभ करवाया गया।

सहायता शिविर एवम् मोतियाबिन्द आपरेशन सेवा कार्य:

इस वर्ष समिति ने दो सेवा शिविर खजुरदाहा ग्रामीण क्षेत्र में और एक सेवा शिविर दीघा क्षेत्र के वासुदेवबेरिया गाँव में लगाया गया। जिनमें करीब ६०० रोगियों का नेत्र परीक्षण करके उन्हें चश्में प्रदान किये गये। कोलकाता महानगर के आई पैविलियन में ८० रोगियों का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवाकर उन्हें नेत्र ज्योति प्रदान की गई। इस कार्य के लिए सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ०. श्रीमती रजनी सराफ का अतुलनीय सहयोग मिला।

ऐम्बूलेन्स सेवाकार्य :

समिति द्वारा प्रदत्त एक ऐम्बूलेन्स दुलाल स्मृति संसद खजूरदाहा ग्रामीण क्षेत्र में रोगियों की चिकित्सा हेतु अनवरत सेवारत है।

सहायता शिविर एवम् अनाथालय सेवाकार्य :

इस वर्ष खजूरदाहा के कन्या छात्रावास एवं अनाथालय में रहनेवाली सभी जरुरतमन्द महिलाओं को नये वस्त्र एंव अन्य सामान प्रदान किये गये। श्री देवराज रावलवासीया के सहयोग से वासुदेवबेरिया क्षेत्र के शिविर में जरुरतमन्दों को कम्बल एवम् साड़ियाँ वितरित की गई।

दुर्गोत्सव सेवाकार्य :

कोलकाता महानगर में दुर्गापूजा का त्यौहार अत्यन्त उत्साह एवम् आनन्द के साथ मनाया जाता है एवम् लाखों परिवार पूजा पंडालों में मां दुर्गा के दर्शन हेतु रातभर भ्रमण करते रहते हैं। इस वर्ष समिति ने हरियाणा भवन के सामने पण्डाल बनाकर लगातार ४ दिनों तक १२०० किलो चीनी का स्वादिष्ट गुलाब शरबत बनाकर हजारों दर्शनार्थियों को पिलाने की व्यवस्ता की एवम् हजारों बच्चों को बिस्कुट के पैकेट एवम् टाफीयाँ प्रदान की गई।

भावी सेवाकार्य :

आगामी वर्ष से समिति अपने सेवाकार्यो का विस्तार करते हुए ग्रामीण अंचलों में ज्यादा सेवा शिविर लगायेगी। दुर्गोत्सव के पावन पर्व पर हरियाणा भवन के सामने पंडाल बनाकर ता. १४ से १७ अक्टूबर तक पूजा दर्शनार्थियों को गुलाब शरबत पिलाने की व्यवस्था करेगी।

हिन्दी विद्यापीठ में धरती पुत्र को श्रद्धांजलि

देवघर। हिन्दी विद्यापीठ के सभागार में आयोजित स्व. तिलोकचंद बाजला श्रद्धांजलि सभा में विद्यापीठ के व्यवस्थापक कृष्णानंद झा द्वारा सभागार का नामांकरण तिलोक चन्द बाजला सभागार के रूप में किया गया।

इस अवसर पर राज्य सभा सांसद जय प्रकाश नारायण सिंह, स्थानीय विधायक सुरेश पासवान, पुलिस कप्तान सुबोध प्रसाद, अभय सर्राफ, ओम छावछरिया, अवकाश प्राप्त आईजी केडी चौधरी, ताराचंद जैन, पुरूषोत्तम बाजला, चन्द्रमा सिंह, ललित बाजला, प्रदीप बाजला, रमेश बाजला, कुलसचिव उपकुलसचिव हिन्दी विद्यापीठ सहित भारी संख्या में शहर के गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ तक्षशिला विद्यापीठ के छात्र छात्राओं द्वारा वैष्णव जन को..... भजन के साथ किया गया।

मौके पर कृष्णानन्द झा ने कहा कि तिलोकचन्द बाजला रूपी रिक्ति को कभी भरना संभव नहीं है। हिन्दी विद्यापीठ के कर्णधार के रूप में उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। सांसद जेपीएन सिंह ने कहा कि बाजला जी ने प्रेम सदगुण का दान भी तन मन से किया खासकर शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान कभी नहीं भुलाया जा सकता है।

पुलिस कप्तान सुबोध प्रसाद ने कहा कि देवघर के धरती पुत्र के नाम से सभागार को प्रतिष्ठित करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। पशुपति राय, निरजा दूबे, मोहनानंद मिश्रा, केडी चौधरी, पुरुषोत्तम लाल गुटगुटिया, डॉ. सुभाष चौधरी, चन्द्रमा सिंह, अभय सर्राफ, गोविन्द प्रसाद डालमिया, ताराचन्द जैन, लक्ष्मण नेवर सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो शब्द रखे।

स्थानीय विधायक सुरेश पासवान ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में स्व. बाजला का अमूल्य योगदान है। आने वाले पीढ़ी को इसका लाभ मिलता रहेगा। मौके पर मोती लाल द्वारी, कृष्ण जन मिश्र, हरिशंकर पत्रलेख, गौरी राय, कृपानारायण झा, केशव नारायण झा, डॉ. शंकर मोहन झा, प्रो. करुणाकार महाराज सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन रामसेवक गुंजन ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीकांत झा ने किया।

दिनांक : 8 अक्टूबर 2010

सभी अखिल भारतीय समिति के सदस्यों की सेवा में

सूचना

प्रिय महोदय,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक महाराष्ट्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में रविवार दिनांक 21 नवम्बर 2010 को सुबह 11 बजे पगरिया लॉन, 204 स्मॉल फैक्टरी एरिया, बगड़गंज, नजदीक – डिप्टी सिग्नल, नागपुर – 440008 में निम्नलिखित विषयों के विचारार्थ आयोजित की गई है।

बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन सभापति श्री नन्दलाल रुँगटा करेंगे।

विचारार्थ विषय :–

1. गत बैठक की कार्यवाही पारित करना।
2. महामंत्री का प्रतिवेदन।
3. संविधान की धारा 15 के अनुसार नये सत्र के सभापति का निर्वाचन।

भवदीय
रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय महामंत्री

विशेष नोट :

1. कृपया अपने पहुंचने एवं प्रस्थान की अग्रिम सूचना श्री महेश बंग फोन–0712–2739048 मोबाइल 09423103193 एवं सम्मेलन केन्द्रीय कार्यालय कोलकाता को देने की कृपा करें। प्रतिनिधियों के निवास की व्यवस्था उक्त सभा – स्थल पर ही की गई है।
2. संवैधानिक प्रावधानरू धारा 15 सभापति का निर्वाचन –
   1. प्रादेशिक सम्मेलनों से अधिवेशन की तिथि से 2 मास पूर्व नये सत्र के सभापति के नाम के लिये सुझाव मांगे जावेंगे। सुझाव अखिल भारतीय समिति के सम्मुख प्रस्तुत किये जायेंगे।
   2. अखिल भारतीय समिति आये हुए सुझावों के आधार पर सम्मेलन के साधारण अधिवेशन की तिथि से कम से कम एक महीने पहले सम्मेलन के सभापति का चुनाव करेगी।
   3. किसी कारणवश यदि निर्वाचित सभापति पद ग्रहण न कर सके तो अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि किसी दूसरे सज्जन को किसी भी समय सभापति निर्वाचित कर ले। सम्मेलन के सभापति ही विशेष अधिवेशन के सभापति होंगे।
   4. सभापति चुनने की पद्धति अखिल भारतीय समिति अथवा कार्यकारिणी समिति द्वारा बनाये हुए नियमों के अनुसार होगी।
3. सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की बैठक (18 सितम्बर 2010) में सभापति निर्वाचन हेतु श्री नन्दलाल सिंघानिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। आवश्यकतानुसार संविधान की धारा 17 के प्रावधानों के अनुसार मतगणना की जायेगी।

राजस्थानी साहित्य में सर्वश्रेष्ठ योगदान हेतु डॉ. तारालक्ष्मण गहलोत को मिला लखोटिया पुरस्कार

राजस्थान की वरिष्ट साहित्यकार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की सेवा निवृत प्रोफेसर, सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता व प्रबुद्ध समाज वैज्ञानिक डॉ. तारालक्ष्मण गहलोत को राजस्थानी साहित्य में सर्वश्रेष्ठ योगदान हेतु सर्वोच्च राशि वाला लखोटिया पुरस्कार २०१० राजस्थानी अकादमी दिल्ली द्वारा हिन्दी भवन दिल्ली, के सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह– सामूहिक राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता के अवसर पर प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरुप १ लाख रुपये (पूर्णतया आयकर मुक्त) शाल, श्रीफल, प्रशस्तिपत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। यह समारोह नई दिल्ली में १८ सितम्बर २०१० को हिन्दी भवन सभागार, दिल्ली में सम्पन्न हुआ।

डॉ. तारालक्ष्मण गहलोत पिछले पचास वर्षो से लगातार लेखन व विभिन्न सामाजिक समस्याओं, महिला एवं बालकल्याण, समाज विकास के विभिन्न आयामों पर भी लेखन व शोध कार्य से एक सामाजिक कार्यकर्ता के रुप में भी अपनी सेवायें दे रही है। डॉ. गहलोत ने देश विदेश में बाल कल्याण व महिला विकास की विभिन्न संस्थाओं का अवलोकन व अध्ययन के साथ ही समय–समय पर कई सर्वे किये जिनकी रिपोर्ट देश विदेश के सम्बंधित जनरल में प्रकाशित हुई। संयुक्त सोवियत संघ में आपने महिला विकास व बाल कल्याणकारी योजनाओं का विशेष रुप से अध्ययन किया है।

साहित्य के क्षेत्र में अब तक डॉ. तारा की आठ पुस्तकें और पचास से अधिक शोधपत्र–आलेख प्रकाशित हो चुके हैं।

इसके पूर्व भी डॉ. तारा को राजस्थान भाषा, साहित्य संस्कृति अकाडेमी बीकानेर का शिवचंन्द भरतिया गद्य पुरस्कार, राजस्थान रत्नाकर दिल्ली का महेन्द्र जाजोदिया पुरस्कार, द्वारका सेवानिधि जयपुर का जावित्री देवी पुरस्कार, भारतीय भाषा साहित्य परिषद रांची का गोदावरी देवी सरावगी प्रथम लेखिका पुरस्कार नगर श्री ट्रस्ट चुरु से, जय साहित्य संसद जयपुर से, रेस्पेक्ट इण्डिया दिल्ली, ज्ञान भीरती कोटा का कमलेश स्मृति पुरस्कार तथा ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी दिल्ली व भारतीय विकलांग संस्थान ने दिल्ली में विकलांग भूषण से अलंकृत किया है।

जोधपुर जिला प्रशासन ने आपकी सामाजिक सेवाओं को रेखांकित करते हुए २६ जनवरी व १५ अगस्त पर चार बार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। जिला प्रशासन ने श्रेष्ठ साक्षरताकर्मी का सम्मान भी साक्षरता दिवस पर दिया है। विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं ने समय–समय पर आपको साहित्य सारस्वत, पृथ्वीपुत्र, साहित्य श्री, जोधपुर गौरव, सारस्वत साहित्य सम्मान, साहित्य विद सम्मान आदि लगभग २० अलंकरण प्रदान किये हैं। अमेरिकन बायोग्राफिकल इंस्टीटयूट (यू.एस.ए.) ने वुमेन ऑफ द इयर २००० का सम्मान देकर अपनी एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी बनाया।

वर्तमान में साहित्य लेखन और सामाजिक कार्यो की विभिन्न संस्थाओं से सक्रिय रुप से जुड़ी हैं। राजस्थान सरकार द्वारा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट २००० के अन्तर्गत सरकार द्वारा गठित बाल कल्याण समिति की आप अध्यक्ष भी रही है तथा जिला साक्षरता कोर ग्रुप व गवर्निंग काउन्सिल की सदस्य, जिला महिला सहायता समिति तथा कई शिक्षण संस्थाओं, महाविद्यालयों से सम्बंधित है। राजस्थान स्टेट लीगल एड कमेटी की भी सदस्य रही। राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार ने आपको ८ मार्च १९९७ को दिल्ली के विज्ञान भवन में प्रधानमंत्री के हाथों एक्सीलेन्सी अवार्ड भी प्रदान किया गया। आप निन्तर लेखन व सामाजिक कार्यो में संलग्न है।

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

Business Economics Subscription Form

Yes! I would like to subscribe **Business Economics**

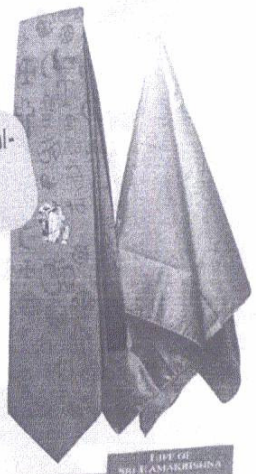

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1080/-	1080/-	1080/-	144	72	☐ Tie + Scarf **OR** ☐ Books ☐ Any One Book out of above (For International)
☐	1 Year	24	360/-	360/-	360/-	48	24	☐ Scarf **OR** ☐ Books ☐ Any One Book out of above (For International)

Name : Mr./Ms. ____________________

Address ____________________ City/District ____________________

State ____________ Country ____________ Pin Code ☐☐☐☐☐☐

E-mail ____________ Mobile ____________ Landline : ____________ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. ____________ dated ____________ for Rs. ________ drawn on ____________

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature ____________ date ____________

Mail your Cheque / DD to : Mr. Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3. Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642. E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : **Kolkata** : Ms. Sumita Agarwal : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 93208 73700
Chennai : Ms. S. Bhuvaneshwari : 044-4217 1320, 98416 54257 • **New Delhi** : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

True to our values.

True to our people.

True to our projects.

True to our selves.

Tomorrow happens when there is true partnership.

There are companies that only finance instructions. And there are Companies that also finace dreams, aspirations and hopes. SREI, an Indian multinational, belongs to the latter. More than just financial products and services, SREI excels in offering customised, flexible, reliable and cost-effective solution. The focus clearly is on infrastructure equipment, projects and renewable energy resources through innovative financing and "true partnerships".

SREI not only enjoys a leadership position in the market today, but is also recognised as a people-centric company. This investment in human resource development and consistantly acknowledging the blessings of god makes SREI a proud recipient of the Willis Harman Spirit at Work Award.

At SREI, it's the vision of tomorrow that fuels our passion. Propelling us to see tomorrow. Today.

WE MAKE TOMORROW HAPPEN.

SREI
INFRASTRUCTURE FINANCE LIMITED

Visit us at www.srei.com

ASSET FINANCING • INFRASTRUCTURE FINANCING • RENEWABLE ENERGY FINANCE • INVESTMENT BANKING • VENTURE CAPITAL • INSURANCE SERVICES